संस्कृति IAS

जहाँ एक नहीं,
हर शिक्षक है श्रेष्ठ

Prayagraj
Centre

# परिचय पुस्तिका

- सिविल सेवा परीक्षा : सामान्य परिचय
- सामान्य अध्ययन का महत्त्व
- कैसे करें निबंध की तैयारी?
- वैकल्पिक विषय का चयन कैसे करें ?
- साक्षात्कार की तैयारी कैसे करें ?
- UPPCS परीक्षा : सामान्य परिचय


प्रयागराज केंद्र : महाराण प्रताप चौराहा,
स्टैनली रोड, सिविल लाइन्स, प्रयागराज, उ.प्र.
9151-013-397

हेड ऑफिस: 636, भू-तल,
डॉ. मुखर्जी नगर, दिल्ली-110009
9555-124-124

SANSKRITIIAS.COM

## Congratulations

मेरा नाम अल्का त्रिपाठी है मैं संस्कृति IAS के फाउंडेशन -3 की स्टूडेंट हूँ मैं संस्कृति IAS से सामान्य अध्ययन, भूगोल (optional) Test series, निबंध और इंटरव्यू की तैयारी की है। मेरी सफलता में संस्कृति IAS के सभी अध्यापकों - अखिल मूर्ति सर, कुमार गौरव सर, CBP श्रीवास्तव सर, A.K. अरुण सर, रितेश जायसवाल सर, राजेश मिश्रा सर एवं अमित कुमार सिंह सर का सर्वाधिक योगदान रहा है। मेरा वैकल्पिक विषय भूगोल रहा है इसकी तैयारी भी मैंने संस्कृति IAS में कुमार गौरव सर के मार्गदर्शन में की है। मैंने अपनी तैयारी के लिए सभी अध्यापकों के क्लास नोट्स और संस्थान द्वारा उपलब्ध कराए गए नोट्स से ही मदद ली है। मेरे मतानुसार वर्तमान में हिंदी माध्यम से सिविल सेवा परीक्षा के लिए अध्यापकों और स्टडी मैटेरियल के हिसाब से देश का सबसे बेहतर कोचिंग संस्थान है। संस्कृति IAS के सभी स्टाफ और मैनेजमेंट स्टूडेंट के लिए एकदम मित्रवत और पूर्णतः सहयोगी हैं। मैंने साक्षात्कार की तैयारी भी संस्कृति IAS के मॉक इंटरव्यू के सहयोग और मार्गदर्शन में ही की है। संस्कृति IAS के CBP श्रीवास्तव सर ने साक्षात्कार की तैयारी में मेरी हर संभव मदद की है। मैं अपनी सफलता का श्रेय विशेष रूप से संस्कृति IAS के सभी अध्यापकों और मैनेजमेंट को दूंगी।

1st Attempt

Alka Tripathi
(AIR - 657)
16/04/2024

**AIR 657**
**ALKA TRIPATHI**

**GS Foundation**
(Prelims + Mains)
**Geography**
(Optional)
**Essay**
**Test Series**

Foundation Batch No. 3
Reg. No.: LR-JAN-20/231

## Congratulations

I am Pawan Kumar got rank 239 in CSE 2023. In my preparation phase I was guided by Mr. A.K Arun Sir, Kumar Gaurav Sir and Mr. C.B.P Srivastav Sir in their personal capacity. I express my heartfelt gratitude towards them.

Pawan Kumar
Rank: 239 CSE 2023.
Date 17-04-2024

**AIR 239**
**PAWAN KUMAR**

**Personal Guidance Programme**

## Congratulations

मेरा नाम नीरज धाकड़ है. मैं संस्कृति IAS के Mains mentorship Programme और टेस्ट सीरीज का नियमित हिस्सा रहा हूँ मैंने अपने वैकल्पिक विषय इतिहास की तैयारी अखिल मूर्ति सर के मार्गदर्शन में की है. अपने interview की तैयारी मैंने संस्कृति IAS के Mock interview Programme के माध्यम से की है. मैं अखिल मूर्ति सर और संस्कृति IAS के पूरी अपना आभार व्यक्त करता हूँ।

नीरज धाकड़
UPSC CSE 2023
AIR 747
Date - 17/09/2024

**AIR 747**
**NEERAJ DHAKAD**

**History Optional**
**Mains Mentorship Programme**
**Test Series**

## Congratulations

मेरा नाम विकास कुमार मीना है। मैं संस्कृति IAS के फाउंडेशन-2 का रेग्युलर स्टूडेंट रहा हूँ। मेरी सफलता में संस्कृति IAS के सभी अध्यापकों - अखिल मूर्ति सर, कुमार गौरव सर, एके अरुण सर, रितेश आर. जायसवाल सर, सी. बी. पी. श्रीवास्तव सर, और अमित सर का पूरा योगदान रहा है। मेरी समझ से हिन्दी मीडियम से सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के लिए संस्कृति IAS देश का सर्वश्रेष्ठ संस्थान है। शिक्षकों द्वारा क्लास में लिखाए गए और संस्थान द्वारा उपलब्ध कराए गए नोट्स मेरी तैयारी में पूर्णतः उपयोगी रहे। संस्कृति IAS से मैंने Test Series, Mains Mentorship, Interview Guidance program में भी हिस्सा लिया, जो काफी उपयोगी रहा। मेरी Interview की तैयारी में संस्कृति IAS के C.B.P. Srivastava Sir की महत्वपूर्ण भूमिका रही। संस्कृति IAS का मैनेजमेंट स्टूडेंट्स के लिए बहुत ही सहयोगी और मित्रवत है। मेरी सफलता में संस्कृति IAS की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका रही है। मैं पूरे संस्कृति IAS परिवार के प्रति अपना आभार व्यक्त करता हूँ।

1st Attempt

Vikas Kumar Meena
AIR - 672 (UPSC '23)
16-04-2024

**AIR 672**
**VIKAS KUMAR MEENA**

**Foundation Batch GS**
(Prelims + Mains)

Foundation Batch No. 2
Reg. No.: LR-APR-20/691

## Congratulations

मेरा नाम पुरन प्रकाश है। मैंने A.K. Arun Sir के guidance में Interview और Mains की व्यक्तिगत तैयारी की।
इस दौरान अखिल मूर्ति सर, A.K. Arun Sir और C.B.P. सर का व्यक्तिगत मार्गदर्शन मिलता रहा।
मैं इंटरव्यू मार्गदर्शन के लिये विशेष रूप से A.K. Arun Sir का आभारी हूँ।

Puran Prakash
(पुरन प्रकाश)
AIR - 885th

**AIR 885**
**Puran Prakash**

**Personal Guidance Programme**

# सिविल सेवा परीक्षा

## सामान्य परिचय (Introduction)

सिविल सेवा परीक्षा भारत की एक प्रतिष्ठित परीक्षा है। इसका आयोजन संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) द्वारा किया जाता है। सिविल सेवा परीक्षा के माध्यम से देश की विभिन्न प्रतिष्ठित सिविल सेवाओं, जैसे कि आई.ए.एस., आई.एफ.एस., आई.पी.एस., आई.आर.एस., आई.आर.टी.एस. के लिए अधिकारियों का चयन किया जाता है। हर साल लगभग 10 लाख उम्मीदवार इस परीक्षा के लिए आवेदन करते हैं, इनमें से 4 से 5 लाख परीक्षा में बैठते हैं और अंतिम रूप से लगभग एक हज़ार उम्मीदवार सफल होते हैं।

## परीक्षा का प्रारूप (Format of Examination)

सिविल सेवा परीक्षा तीन चरणों में आयोजित की जाती है– प्रारंभिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा एवं साक्षात्कार। प्रत्येक चरण में परीक्षा की प्रकृति भिन्न होती है, जैसे– प्रारंभिक परीक्षा में वस्तुनिष्ठ प्रकृति के प्रश्न पूछे जाते हैं। इसमें प्रत्येक प्रश्न के लिए 4 विकल्प दिए जाते हैं जिनमें से उम्मीदवार को एक सही विकल्प का चयन करना होता है। मुख्य परीक्षा पूरी तरह से लिखित होती है, इसमें दिए गए प्रश्नों के निर्धारित शब्द-सीमा में वर्णनात्मक उत्तर लिखने होते हैं। साक्षात्कार में मौखिक प्रश्न पूछे जाते हैं। आगे हम सिविल सेवा परीक्षा के तीनों चरणों की विस्तार से चर्चा करेंगे।

# प्रारंभिक परीक्षा

## प्रारंभिक परीक्षा की संरचना (Structure of Preliminary Examination)

प्रारंभिक परीक्षा में दो प्रश्नपत्र होते हैं। पहला प्रश्नपत्र 'सामान्य अध्ययन' का है, जबकि दूसरे को 'सिविल सेवा अभिवृत्ति परीक्षा' (Civil Services Aptitude Test) या 'सीसैट' कहते हैं। प्रारंभिक परीक्षा में 'सीसैट' का प्रश्नपत्र अर्हकारी प्रकृति (Qualifying Nature) का होता है। दोनों प्रश्नपत्र 200-200 अंकों के होते हैं, इस प्रकार परीक्षा कुल 400 अंकों की होती है। पहले प्रश्नपत्र यानी सामान्य अध्ययन में 2-2 अंकों के 100 प्रश्न होते हैं, जबकि दूसरे प्रश्नपत्र (सीसैट) में 2.5-2.5 अंकों के 80 प्रश्न। दोनों प्रश्नपत्रों में प्रत्येक प्रश्न के साथ 4-4 विकल्प दिए जाते हैं, जिनमें से उम्मीदवार को सही विकल्प का चयन करना होता है। दोनों प्रश्नपत्रों में 'नकारात्मक अंकन (Negative Marking) की व्यवस्था लागू है, जिसके तहत 3 उत्तर गलत होने पर 1 सही उत्तर के बराबर अंक काट लिए जाते हैं। इस नियम के अंतर्गत सामान्य अध्ययन में एक सही उत्तर के लिए 2 अंक दिए जाते हैं, जबकि एक गलत उत्तर के लिए 0.67 अंक काट लिए जाते हैं। इसी तरह, सीसैट में एक सही उत्तर के लिए 2.5 अंक दिए जाते हैं, जबकि एक गलत उत्तर पर 0.83 अंक का नुकसान होता है।

चूँकि सीसैट क्वालीफाइंग पेपर के रूप में है, इसलिए प्रारंभिक परीक्षा पास करने के लिए किसी भी उम्मीदवार को सीसैट पेपर में सिर्फ 33 प्रतिशत अंक (लगभग 27 प्रश्न या 66 अंक) प्राप्त करने आवश्यक होते हैं। अगर वह इससे कम अंक प्राप्त करता है तो उसे फेल माना जाता है। प्रारंभिक परीक्षा के लिए कट-ऑफ का निर्धारण सिर्फ प्रथम प्रश्नपत्र यानी सामान्य अध्ययन के आधार पर किया जाता है।

## 'कट-ऑफ' का स्तर (Cut-off Level)

जितने अंकों के साथ अंतिम उम्मीदवार परीक्षा में सफल होता है, उस स्तर को 'कट-ऑफ' कहा जाता है। मान लीजिये कि कुल 12,000 उम्मीदवारों ने परीक्षा पास की है। इसके लिए सभी उम्मीदवारों के कुल प्राप्तांकों की सूची बनाई जाएगी, जिसमें ऊपर से 12,000 उम्मीदवारों को चुन लिया जाएगा। इन चुने गए उम्मीदवारों में से अंतिम के जितने प्राप्तांक होंगे, उसी को 'कट-ऑफ' कहा जाएगा।

सामान्य वर्ग के उम्मीदवारों की तुलना में आरक्षित वर्गों तथा विकलांग वर्ग के उम्मीदवारों के लिए कट-ऑफ कुछ कम होता है। वर्ष 2013 से 2023 की प्रारंभिक परीक्षा में विभिन्न वर्गों के लिए 'कट-ऑफ' इस प्रकार रहा–

| वर्ग (Category) | सामान्य वर्ग (General Category) | आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्ग (EWS) | अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) | अनुसूचित जाति (SC) | अनुसूचित जनजाति (ST) | विकलांग वर्ग-1 (PH-1) | विकलांग वर्ग-2 (PH-2) | विकलांग वर्ग-3 (PH-3) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2013 | 241 | – | 222 | 207 | 201 | 199 | 184 | 163 |
| 2014 | 205 | – | 204 | 182 | 174 | 167 | 113 | 115 |
| 2015 | 107.34 | – | 106.00 | 94.00 | 91.34 | 90.66 | 76.66 | 40.00 |
| 2016 | 116.00 | – | 110.66 | 99.34 | 96.00 | 75.34 | 72.66 | 40.00 |
| 2017 | 105.34 | – | 102.66 | 88.66 | 88.66 | 85.34 | 61.34 | 40.00 |
| 2018 | 98.00 | – | 96.66 | 84.00 | 83.34 | 73.34 | 53.34 | 40.00 |
| 2019 | 98.00 | 90.00 | 95.34 | 82.00 | 77.34 | 53.34 | 44.66 | 40.66 |
| 2020 | 92.51 | 75.55 | 89.12 | 74.84 | 68.71 | 70.06 | 63.94 | 40.82 |
| 2021 | 87.54 | 80.14 | 84.85 | 75.41 | 70.71 | 68.02 | 67.33 | 43.09 |
| 2022 | 88.22 | 82.83 | 87.54 | 74.08 | 69.35 | 49.84 | 58.59 | 40.40 |
| 2023 | 75.41 | 68.02 | 74.75 | 59.25 | 47.82 | 40.40 | 47.13 | 40.40 |

उपर्युक्त तालिका से स्पष्ट है कि 'कट-ऑफ' हमेशा स्थिर नहीं रहता है। उम्मीदवारों की संख्या, उनकी योग्यता, रिक्तियों (vacancies) की संख्या तथा प्रश्नपत्रों के कठिनाई स्तर में परिवर्तन के साथ-साथ यह हर वर्ग के लिए कुछ ज़्यादा या कम होता रहता है।

ध्यान रहे कि अंकों की ये गणनाएँ नकारात्मक अंकन से हुए नुकसान को घटाने के बाद की अर्थात् शुद्ध प्राप्तांकों की हैं। इसका अर्थ है कि किसी भी उम्मीदवार को प्रत्येक 3 गलत उत्तरों के बदले 1 सही उत्तर कम करके अपने प्राप्तांकों की गणना करनी चाहिए।

### आयु सीमा और अवसरों की संख्या (Age Limit and No. of Attempts)

| वर्ग (Category) | आयु सीमा (Age Limit) | अवसरों की संख्या (No. of Attempts) |
|---|---|---|
| सामान्य वर्ग (General Category) | 21 से 32 वर्ष | 06 |
| अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) | 21 से 35 वर्ष | 09 |
| अनुसूचित जाति (SC) | 21 से 37 वर्ष | 21 से 37 वर्ष तक |
| अनुसूचित जनजाति (ST) | 21 से 37 वर्ष | 21 से 37 वर्ष तक |

- आयु की गणना परीक्षा के कलेंडर वर्ष के 1 अगस्त से की जाती है।
- उम्मीदवार की आयु 1 अगस्त, 2023 को 21 वर्ष की हो जानी चाहिए, किंतु 32 वर्ष की नहीं होनी चाहिए अर्थात् उसका जन्म 2 अगस्त, 1991 से पहले और 1 अगस्त, 2002 के बाद का नहीं होना चाहिए।

| सामान्य अध्ययन (प्रारंभिक परीक्षा) का पाठ्यक्रम *[(Syllabus of General Studies (Preliminary Test)]* | |
|---|---|
| प्रारंभिक परीक्षा में प्रश्नपत्र-1 का संबंध सामान्य अध्ययन से है। इसका पाठ्यक्रम निम्नलिखित है– | |
| 1. | राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व की सामयिक घटनाएँ (Current events of national and international importance)। |
| 2. | भारत का इतिहास और भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन (History of India and Indian National Movement)। |
| 3. | भारत एवं विश्व का भूगोल : भारत एवं विश्व का प्राकृतिक, सामाजिक, आर्थिक भूगोल (Indian and World Geography - Physical, Social, Economic Geography of India and the World)। |
| 4. | भारतीय राज्यतंत्र और शासन- संविधान, राजनीतिक प्रणाली, पंचायती राज, लोकनीति, अधिकारों संबंधी मुद्दे इत्यादि (Indian Polity and Governance - Constitution, Political System, Panchayati Raj, Public Policy, Rights Issues etc)। |
| 5. | आर्थिक और सामाजिक विकास- सतत् विकास, गरीबी, समावेशन, जनसांख्यिकी, सामाजिक क्षेत्र में की गई पहलें आदि (Economic and Social Development, Sustainable Development-Poverty, Inclusion, Demographics, Social Sector initiatives etc)। |
| 6. | पर्यावरणीय पारिस्थितिकी, जैव-विविधता और मौसम परिवर्तन संबंधी सामान्य मुद्दे, जिनके लिए विषयगत विशेषज्ञता आवश्यक नहीं है (General issues on Environmental Ecology, Bio-diversity & Climate Change - that do not require subject specialization)। |
| 7. | सामान्य विज्ञान (General Science)। |

## सामान्य अध्ययन : एक परिचय (General Studies: An Introduction)

जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है, सामान्य अध्ययन किसी खास विषय का गहरा अध्ययन न होकर विभिन्न विषयों का ऐसा अध्ययन है जिसके लिए किसी अनुसंधान या विशेषज्ञता की ज़रूरत नहीं है। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने सिविल सेवा परीक्षा से संबंधित अपनी अधिसूचना में सामान्य अध्ययन का अर्थ स्पष्ट करते हुए लिखा है–

"सामान्य अध्ययन में ऐसे प्रश्न पूछे जाएंगे जिनके उत्तर एक सुशिक्षित व्यक्ति बिना किसी विशेषज्ञतापूर्ण अध्ययन के दे सकता है। ये प्रश्न बहुत से ऐसे विषयों में उम्मीदवार की जानकारी या जागरूकता का स्तर जाँचने के लिए पूछे जाएंगे जिनकी प्रासंगिकता सिविल सेवाओं में कार्य करने के दौरान होती है। प्रश्नों के माध्यम से सभी प्रासंगिक मुद्दों पर उम्मीदवार की मूल समझ परखने के साथ-साथ इस बात की भी जाँच की जाएगी कि उसके पास परस्पर विरोधी सामाजिक-आर्थिक लक्ष्यों तथा मांगों के विश्लेषण की कितनी योग्यता है।"

देखा जाए तो यूपीएससी द्वारा की गई यह घोषणा सिर्फ औपचारिक महत्त्व की है, सच्चाई यह है कि सामान्य अध्ययन के प्रश्नपत्र में प्राय: इतने कठिन और गहरे स्तर के प्रश्न पूछे जाते हैं कि विभिन्न विषय विशेषज्ञो के लिए भी उनका सही देना असंभवप्राय हो जाता है।

### पाठ्यक्रम की चुनौतियाँ (Challenges of Syllabus)

सामान्य अध्ययन का पाठ्यक्रम इतना विस्तृत और समावेशी है कि इसके लिए गंभीरता के साथ कम-से-कम एक वर्ष का समय देना ज़रूरी है। हिंदी माध्यम के विद्यार्थियों के लिए तो सामान्य अध्ययन दोहरी चुनौती पेश करता है। एक तरफ अंग्रेज़ी की तुलना में हिंदी में उपलब्ध अध्ययन-सामग्री बहुत अच्छी नहीं होती है तो दूसरी तरफ कुछ परीक्षकों का हिंदी भाषा में सहज न होना भी हिंदी माध्यम के परीक्षार्थियों को नुकसान पहुँचा सकता है। इसलिए हिंदी माध्यम के विद्यार्थियों को अपनी तैयारी में अतिरिक्त सावधानी बरतने की आवश्यकता होती है।

अगर आप सचमुच एक सिविल सेवक बनना चाहते हैं तो सामान्य अध्ययन का पूरे विस्तार और गहराई अध्ययन करें।

# सिविल सेवा परीक्षा (CSE)

## तीन चरणीय परीक्षा

### प्रथम चरण (वस्तुनिष्ठ)
### प्रारंभिक परीक्षा (मई-जून)

**प्रश्नपत्र-I**

सामान्य अध्ययन

(200 अंक)

सामान्य अध्ययन

- इतिहास
- राजव्यवस्था
- अर्थव्यवस्था
- भूगोल
- पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी
- सामान्य विज्ञान
- समसामयिकी

**प्रश्नपत्र-II**

सीसैट (200 अंक)

सिविल सर्विसेज़ एप्टीट्यूड टेस्ट (CSAT)

- बोधगम्यता
- तर्कशक्ति
- निर्णय निर्माण
- अंतर-वैयक्तिक कौशल
- आधारभूत आंकिक योग्यता
- सामान्य मानसिक योग्यता
- समंकों की व्याख्या एवं आँकड़ों का विश्लेषण

### द्वितीय चरण (लिखित परीक्षा)
### मुख्य परीक्षा (सितंबर-अक्तूबर)

**प्रश्नपत्र-I**
निबंध
(250 अंक)

**प्रश्नपत्र-II**
सामान्य अध्ययन
**प्रश्नपत्र-I**
(250 अंक)

**प्रश्नपत्र-III**
सामान्य अध्ययन
**प्रश्नपत्र-II**
(250 अंक)

**प्रश्नपत्र-IV**
सामान्य अध्ययन
**प्रश्नपत्र-III**
(250 अंक)

**प्रश्नपत्र-V**
सामान्य अध्ययन
**प्रश्नपत्र-IV**
(250 अंक)

**प्रश्नपत्र-VI**
वैकल्पिक विषय

- **प्रश्नपत्र-I** (250 अंक)
- **प्रश्नपत्र-II** (250 अंक)

**प्रश्नपत्र A :** भारतीय भाषा- 300 अंक/ **प्रश्नपत्र B :** अंग्रेज़ी भाषा– 300 अंक

### तृतीय चरण (मौखिक)
व्यक्तित्व परीक्षण– (मार्च-मई)

| | |
|---|---|
| लिखित परीक्षा | – 1750 अंक |
| व्यक्तित्व परीक्षण | – 275 अंक |
| **कुल योग** | **– 2025 अंक** |

### तैयारी की उचित रणनीति क्या होनी चाहिए? (What should be the appropriate strategy for the preparation?)

भिन्न-भिन्न अकादमिक पृष्ठभूमि होने की वजह से तैयारी की रणनीति सभी के लिए एक जैसी नहीं हो सकती। उदाहरण के लिए, अगर किसी उम्मीदवार ने इतिहास, भूगोल और राजनीति विज्ञान के साथ स्नातक स्तर की पढ़ाई की है किन्तु उसे विज्ञान पढ़ने व समझने में समस्या होती है तो उसकी रणनीति अलग तरह से बनेगी, वहीं कुछ उम्मीदवार ऐसे भी होंगे जो इंजीनियर या डॉक्टर होने के कारण विज्ञान में अत्यंत सहज हैं लेकिन उनका मन इतिहास या राजनीति विज्ञान की पुस्तक को देखने का भी नहीं होता। स्वाभाविक ही है कि इनकी रणनीति अलग तरीके से बनेगी। मोटे तौर पर, रणनीति के संबंध में कुछ सुझाव ये हो सकते हैं–

- सभी खंडों पर बराबर बल देने की बजाय कुछ चुने हुए खंडों पर अधिक बल देना चाहिए। उम्मीदवार को कम-से-कम इतने खंड चुन लेने चाहिएं जिनसे सम्मिलित रूप से 80-85 प्रश्न आने की प्रवृत्ति दिखाई पड़ती हो ताकि गम्भीर तैयारी से लगभग 65-70 प्रश्न सही किए जा सकें। हालाँकि, शेष खंडों को छोड़ देना अच्छी बात तो नहीं है, लेकिन प्रारंभिक परीक्षा नज़दीक होने पर आपात योजना के रूप में इसे ठीक माना जा सकता है।
- अगर आप ध्यान से पिछले वर्षों में पूछे गए प्रश्नों का अवलोकन करें तो पाएंगे कि सभी खंडों के अंदर कुछ विशेष उप-खंडों से प्रायः ज़्यादा प्रश्न पूछे जाने की प्रवृत्ति होती है। इसलिए बेहतर यही रहेगा कि उन उप-खंडों पर ज़्यादा समय दें। उदाहरण के लिए, इतिहास खंड के अंतर्गत दो उपखंडों से अधिक प्रश्न पूछे जाने की प्रवृत्ति दिखती है– एक तो स्वतंत्रता आंदोलन से, और दूसरा कला व संस्कृति से। अगर इन दोनों खंडों को ठीक से पढ़ लिया जाए तो इतिहास के लगभग 85-90% प्रश्न मिल जाने चाहिएं। इसी तरह, कला व संस्कृति के अंतर्गत प्राचीन भारत पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए।
- गौर करने वाली एक अन्य बात यह है कि ज़्यादा मेहनत उन खंडों के लिए करनी चाहिए जो मुख्य परीक्षा के पाठ्यक्रम में भी शामिल हैं। इससे मुख्य परीक्षा में सफलता की सम्भावना बढ़ जाती है। उदाहरण के लिए, इतिहास खंड को देखें तो आधुनिक भारत का इतिहास मुख्य परीक्षा के पाठ्यक्रम में भी शामिल है, अतः प्रारंभिक परीक्षा में आधुनिक भारत का इतिहास विस्तारपूर्वक पढ़ने पर मुख्य परीक्षा में भी बेहतर परिणाम की सम्भावना बढ़ जाती है।
- ध्यान देने वाली एक बात यह भी है कि सामान्य अध्ययन के पाठ्यक्रम के जो खंड सिर्फ मुख्य परीक्षा में पूछे जाते हैं, उन्हें प्रारंभिक परीक्षा के लिए शेष बचे दो-ढाई महीनों में न पढ़ा जाए। इन खंडों में विश्व इतिहास, अंतर्राष्ट्रीय संबंध, सामाजिक न्याय, आंतरिक सुरक्षा तथा एथिक्स शामिल हैं।
- यह मानकर भी चलना चाहिए कि उम्मीदवार चाहे जितनी भी तैयारी कर ले, हर खंड में कुछ-न-कुछ ऐसे प्रश्न अवश्य होंगे जो उसकी जानकारी की परिधि से बाहर के होंगे। आप जिस भी खंड की तैयारी गम्भीरता से करें, लक्ष्य यह रखिये कि उसके 70-80% प्रश्न आपसे हल हो जाएँ। अगर आप किसी खंड के सभी प्रश्नों को सही करने के फेर में पड़ेंगे तो एक ही खंड की तैयारी में अनुत्पादक तरीके से बहुत समय नष्ट कर देंगे।
- सामान्य अध्ययन की तैयारी में इस बात का ध्यान अवश्य रखा जाए कि इसमें सभी खंडों के प्रश्न काफी गहरे स्तर के होते हैं और वे विषय की सूक्ष्म समझ की माँग करते हैं। सामान्यतः हर प्रश्न में कुछ तथ्य या कथन देकर उनके संयोजन से जटिल विकल्प बनाए जाते हैं ताकि स्थूल समझ वाले उम्मीदवार सफल न हो सकें। उदाहरण के लिए, अधिकांश प्रश्नों में शुरुआत में 3-4 कथन या तथ्य दिए जाते हैं, जिनमें से कुछ सही होते हैं और कुछ गलत। प्रायः ऐसा होता है कि उम्मीदवार उनमें से कुछ तथ्यों से परिचित होता है और कुछ से नहीं। उसके बाद, उन तथ्यों को आपस

**2012 से 2024 तक प्रारंभिक परीक्षा में विभिन्न खंडों से पूछे गए प्रश्नों का ट्रेंड एनालिसिस**

| वर्ष | भारतीय इतिहास, कला एवं संस्कृति | भारतीय राजव्यवस्था एवं शासन | भारत एवं विश्व का भूगोल | पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी | भारतीय अर्थव्यवस्था एवं विकास | सामान्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी | समसामयिक मुद्दे | कुल |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2012 | 20 | 21 | 17 | 14 | 14 | 10 | 04 | 100 |
| 2013 | 16 | 17 | 18 | 14 | 18 | 16 | 01 | 100 |
| 2014 | 19 | 10 | 20 | 20 | 11 | 12 | 08 | 100 |
| 2015 | 16 | 13 | 18 | 12 | 16 | 9 | 16 | 100 |
| 2016 | 16 | 6 | 3 | 16 | 15 | 7 | 37 | 100 |
| 2017 | 13 | 22 | 8 | 17 | 29 | 3 | 8 | 100 |
| 2018 | 22 | 13 | 9 | 10 | 22 | 14 | 10 | 100 |
| 2019 | 16 | 15 | 8 | 19 | 20 | 15 | 7 | 100 |
| 2020 | 19 | 14 | 13 | 11 | 14 | 10 | 19 | 100 |
| 2021 | 20 | 18 | 13 | 15 | 14 | 14 | 6 | 100 |
| 2022 | 16 | 16 | 15 | 13 | 15 | 14 | 11 | 100 |
| 2023 | 13 | 15 | 22 | 16 | 17 | 10 | 7 | 100 |
| 2024 | 11 | 19 | 21 | 15 | 18 | 9 | 7 | 100 |

में जोड़कर उम्मीदवार को 4 कठिन विकल्प दिए जाते हैं, जैसे (i) कथन 1, 3 तथा 4 सही हैं और कथन 2 गलत, (ii) कथन 1, 2 तथा 4 सही हैं और कथन 3 गलत। उम्मीदवार को ऐसे कठिन विकल्पों में से एक सही विकल्प चुनना होता है। इसमें प्रश्न के गलत होने का खतरा तो रहता ही है, साथ में कठिन विकल्पों के चलते प्रश्नों को हल करने में अधिक समय भी लगता है और अंत में समय-प्रबंधन खुद एक समस्या बन जाता है।

इस समस्या का समाधान करने का बेहतर तरीका यह है कि सबसे पहले वही प्रश्न किए जाएँ जो उम्मीदवार की जानकारी के दायरे में हों, उन्हें पर्याप्त समय दिया जाए। बीच-बीच में जो प्रश्न नहीं आते हैं अथवा जिन पर गहरा अध्ययन नहीं है, उन्हें निशान लगाकर छोड़ देना चाहिए और अगर अंत में समय बचे तो उनका उत्तर देने का प्रयास करना चाहिए, अन्यथा उन्हें छोड़ देने में ही भलाई है।

## सीसैट (CSAT)

### सीसैट : एक परिचय (CSAT: An Introduction)

प्रारंभिक परीक्षा के प्रश्नपत्र-2 को 'सीसैट' (CSAT) यानी 'सिविल सेवा अभिवृत्ति परीक्षा' (Civil Services Aptitude Test) कहे जाने का प्रचलन है।

'सीसैट' पेपर वस्तुत: उम्मीदवार की बौद्धिक क्षमता (IQ-Intellignce Quotient), की जाँच करता है। इस पेपर में प्रश्नों की प्रकृति एवं अनुपात को सिविल सेवाओं या प्रशासन की आवश्यकताओं के अनुरूप निर्धारित किया गया है। उदाहरण के तौर पर, इसमें प्रशासन की समस्याओं से जुड़े निर्णयन व समस्या समाधान (Decision Making & Problem Solving) के कुछ प्रश्न होते हैं जो प्रबंधन (Management) की समस्याओं से भिन्न प्रकृति के होते हैं।

कुल मिलाकर, 'सीसैट' बौद्धिक योग्यता (Intelligence Quotient) की एक परीक्षा है जो विशेष रूप से सिविल सेवाओं या प्रशासन के लिए आवश्यक बौद्धिक क्षमताओं का परीक्षण करने के उद्देश्य से प्रस्तावित की गई है।

### सीसैट की भूमिका (Role of CSAT)

जैसा कि हम शुरुआत में ही चर्चा कर चुके हैं, प्रारंभिक परीक्षा में सीसैट प्रश्नपत्र अर्हकारी प्रकृति (Qualifying Nature) का होता है। किसी भी उम्मीदवार को प्रारंभिक परीक्षा पास करने के लिए सीसैट में 33% अंक प्राप्त करने होते हैं। प्रारंभिक परीक्षा में सीसैट पेपर में 80 प्रश्न पूछे जाते हैं जिनमें प्रत्येक प्रश्न के लिए 2.5 अंक निर्धारित होते हैं और इस तरह सीसैट प्रश्नपत्र कुल 200 अंकों का होता है। किसी भी अभ्यर्थी को सीसैट के 200 अंकों में से 66 अंक प्राप्त करने अनिवार्य होते हैं यानी उसे नकारात्मक अंकन (Negative Marking) के लिए काटे गए अंकों के बाद 66 अंक प्राप्त करने होते हैं। इसके लिए उसे 80 प्रश्नों में से लगभग 27 प्रश्न (नकारात्मक अंकन द्वारा काटे गए प्रश्नों के बाद) सही करने होते हैं।

इसलिए, अगर कोई उम्मीदवार सीसैट पेपर में 33% अंक प्राप्त नहीं कर पाता है तो उसे फेल माना जाएगा, फिर चाहे उसने सामान्य अध्ययन में कितना भी अच्छा प्रदर्शन क्यों न किया हो।

### सीसैट का पाठ्यक्रम (Syllabus of CSAT)

| क्र.सं. | खंड |
|---|---|
| 1. | बोधगम्यता (Comprehension) |
| 2. | संचार कौशल सहित अंतर-वैयक्तिक कौशल (Interpersonal skills including communication skills) |
| 3. | तार्किक कौशल एवं विश्लेषणात्मक क्षमता (Logical reasoning and analytical ability) |
| 4. | निर्णय लेना और समस्या समाधान (Decision-making and problem-solving) |
| 5. | सामान्य मानसिक योग्यता (General mental ability) |
| 6. | आधारभूत संख्यायन (संख्याएँ और उनके संबंध, विस्तार-क्रम आदि) (दसवीं कक्षा का स्तर); आंकड़ों का निर्वचन (चार्ट, ग्राफ, तालिका, आंकड़ों की पर्याप्तता आदि- दसवीं कक्षा का स्तर) [Basic numeracy (numbers and their relations, orders of magnitude, etc.) (Class X level), Data interpretation (charts, graphs, tables, data sufficiently etc. (Class X level)] |

# मुख्य परीक्षा

### परिचय (Introduction)

सिविल सेवा परीक्षा का दूसरा चरण 'मुख्य परीक्षा' कहलाता है। प्रारंभिक परीक्षा में सफल हुए उम्मीदवारों को सामान्यत: सितम्बर-अक्तूबर माह के दौरान मुख्य परीक्षा देने के लिए आमंत्रित किया जाता है। जहाँ प्रारंभिक परीक्षा पूरी तरह वस्तुनिष्ठ (Objective) होती है, जिसमें उम्मीदवार को प्रत्येक प्रश्न के लिए दिए गए 4 विकल्पों में से एक सही विकल्प को चुनना होता है, वहीं मुख्य परीक्षा में अलग-अलग शब्द-सीमा वाले वर्णनात्मक (Descriptive) प्रश्न पूछे जाते हैं, जिनके उत्तर निर्धारित शब्द-सीमा में लिखने होते हैं। यही कारण है कि मुख्य परीक्षा में सफल होने के लिए लेखन-शैली को एक महत्त्वपूर्ण योग्यता माना जाता है।

### मुख्य परीक्षा की संरचना (Structure of Main Examination)

मुख्य परीक्षा कुल 1750 अंकों की होती है जिनमें 1000 अंक सामान्य अध्ययन के लिए (250-250 अंकों के 4 प्रश्नपत्र), 500 अंक एक वैकल्पिक विषय के लिए (250-250 अंकों के 2 प्रश्नपत्र) तथा 250 अंक निबंध के लिए निर्धारित हैं। इसके अलावा, 300-300 अंकों के दो प्रश्नपत्र अंग्रेज़ी तथा भारतीय भाषा [(हिंदी अथवा संविधान की 8वीं अनुसूची में शामिल कोई अन्य भाषा)] के होते हैं जो अर्हकारी प्रकृति (Qualifying Nature) के हैं। भारतीय भाषा तथा अंग्रेज़ी के इन दोनों प्रश्नपत्रों में भी न्यूनतम अर्हता अंक 25-25% (75-75) निर्धारित किए गए हैं।

## परीक्षा का माध्यम (Medium of Examination)

मुख्य परीक्षा के प्रश्नपत्र हिंदी और अंग्रेज़ी दोनों भाषाओं में साथ-साथ प्रकाशित किए जाते हैं, पर उम्मीदवारों को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल 22 भाषाओं में से किसी में भी उत्तर देने की छूट होती है। उम्मीदवार अपने सिविल सेवा परीक्षा के फॉर्म में मुख्य परीक्षा हेतु जिस भाषा को अपने माध्यम के तौर पर अंकित करते हैं, उन्हें मुख्य परीक्षा के सभी प्रश्नपत्रों के उत्तर उसी भाषा में लिखने होते हैं। केवल साहित्य के विषयों में यह छूट है कि उम्मीदवार उसी भाषा की लिपि में उत्तर लिखते हैं, भले ही उसका माध्यम वह भाषा न हो। उदाहरण के लिए, अंग्रेज़ी माध्यम का उम्मीदवार अगर वैकल्पिक विषय के रूप में पंजाबी का चयन करता है तो उसके उत्तर वह गुरुमुखी लिपि में लिखेगा। इसके बावजूद, यदि किसी उम्मीदवार ने मुख्य परीक्षा के लिए अंग्रेज़ी माध्यम से भिन्न किसी माध्यम का चुनाव किया है, उसके पास वैकल्पिक विषय का प्रश्नपत्र अंग्रेज़ी में लिखने का विकल्प रहेगा।

## मुख्य परीक्षा के लिए वैकल्पिक विषयों की सूची (List of Optional Subjects for Main Examination)

- कृषि
- पशुपालन एवं पशुचिकित्सा विज्ञान
- नृविज्ञान
- वनस्पति विज्ञान
- रसायन विज्ञान
- सिविल इंजीनियरी
- वाणिज्यशास्त्र तथा लेखा विधि
- अर्थशास्त्र
- विद्युत इंजीनियरी
- भूगोल
- भू-विज्ञान
- इतिहास
- विधि
- प्रबंधन
- गणित
- यांत्रिक इंजीनियरी
- चिकित्सा विज्ञान
- दर्शनशास्त्र
- भौतिकी
- मनोविज्ञान
- राजनीति विज्ञान तथा अंतर्राष्ट्रीय संबंध
- लोक प्रशासन
- समाजशास्त्र
- सांख्यिकी
- प्राणि विज्ञान
- निम्नलिखित भाषाओं में से किसी एक भाषा का साहित्य : असमिया, बंगाली, बोडो, डोगरी, गुजराती, हिंदी, कन्नड़, कश्मीरी, कोंकणी, मैथिली, मलयालम, मणिपुरी, मराठी, नेपाली, उडिया, पंजाबी, संस्कृत, संथाली, सिंधी, तमिल, तेलुगू, उर्दू और अंग्रेज़ी।

## सामान्य अध्ययन (मुख्य परीक्षा) पाठ्यक्रम [General Studies (Mains) Syllabus]

| सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र-1 : भारतीय विरासत और उसकी संस्कृति, विश्व का इतिहास एवं भूगोल और समाज | | G.S. Paper 1: Indian Heritage and Culture, History and Geography of the World and Society | |
|---|---|---|---|
| क्र.सं. | विषय | S.No. | Topic |
| 1. | भारतीय संस्कृति में प्राचीन काल से आधुनिक काल तक के कला के रूप, साहित्य और वास्तुकला के मुख्य पहलू शामिल होंगे। | 1. | Indian culture will cover the salient aspects of Art Forms, Literature and Architecture from ancient to modern times. |
| 2. | 18वीं सदी के लगभग मध्य से लेकर वर्तमान समय तक का आधुनिक भारतीय इतिहास– महत्त्वपूर्ण घटनाएँ, व्यक्तित्व, विषय। | 2. | Modern Indian history from about the middle of the eighteenth century until the present- significant events, personalities, issues. |
| 3. | स्वतंत्रता संग्राम– इसके विभिन्न चरण और देश के विभिन्न भागों से इसमें अपना योगदान देने वाले महत्त्वपूर्ण व्यक्ति/उनका योगदान। | 3. | The Freedom Struggle - its various stages and important contributors/contributions from different parts of the country. |
| 4. | स्वतंत्रता के पश्चात् देश के अंदर एकीकरण और पुनर्गठन। | 4. | Post-independence consolidation and reorganization within the country |
| 5. | विश्व के इतिहास में 18वीं सदी तथा बाद की घटनाएँ यथा औद्योगिक क्रांति, विश्व युद्ध, राष्ट्रीय सीमाओं का पुन:सीमांकन, उपनिवेशवाद, उपनिवेशवाद की समाप्ति, राजनीतिक दर्शनशास्त्र जैसे साम्यवाद, पूंजीवाद, समाजवाद आदि शामिल होंगे, उनके रूप और समाज पर उनका प्रभाव। | 5. | History of the world will include events from 18th century such as Industrial revolution, World wars, Redrawal of national boundaries, Colonization, Decolonization, Political philosophies like Communism, Capitalism, Socialism etc.- their forms and effect on the society. |
| 6. | भारतीय समाज की मुख्य विशेषताएँ, भारत की विविधता। | 6. | Salient features of Indian society, Diversity of India. |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 7. | महिलाओं की भूमिका और महिला संगठन, जनसंख्या एवं संबद्ध मुद्दे, गरीबी और विकासात्मक विषय, शहरीकरण, उनकी समस्याएँ और उनके रक्षोपाय। | 7. | Role of women and women's organizations, Population and associated issues, Poverty and developmental issues, Urbanization, their problems and their remedies. |
| 8. | भारतीय समाज पर भूमंडलीकरण का प्रभाव। | 8. | Effects of globalization on Indian society. |
| 9. | सामाजिक सशक्तीकरण, सम्प्रदायवाद, क्षेत्रवाद और धर्मनिरपेक्षता। | 9. | Social empowerment, Communalism, Regionalism & Secularism. |
| 10. | विश्व के भौतिक भूगोल की मुख्य विशेषताएँ। | 10. | Salient features of world's physical geography. |
| 11. | विश्व भर के मुख्य प्राकृतिक संसाधनों का वितरण (दक्षिण एशिया और भारतीय उपमहाद्वीप को शामिल करते हुए), विश्व (भारत सहित) के विभिन्न भागों में प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्र के उद्योगों को स्थापित करने के लिए जिम्मेदार कारक। | 11. | Distribution of key natural resources across the world (including South Asia and the Indian sub-continent); factors responsible for the location of primary, secondary and tertiary sector industries in various parts of the world (including India). |
| 12. | भूकम्प, सुनामी, ज्वालामुखीय हलचल, चक्रवात आदि जैसी महत्त्वपूर्ण भू-भौतिकीय घटनाएँ, भौगोलिक विशेषताएँ और उनके स्थान- अति महत्त्वपूर्ण भौगोलिक विशेषताओं (जल-स्रोत और हिमावरण सहित) और वनस्पति एवं प्राणिजगत में परिवर्तन और इस प्रकार के परिवर्तनों के प्रभाव। | 12. | Important Geophysical phenomena such as Earthquakes, Tsunami, Volcanic activity, Cyclone etc., geographical features and their location- changes in critical geographical features (including Waterbodies and Ice-caps) and in flora and fauna and the effects of such changes. |

| सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र-2: शासन व्यवस्था, संविधान, शासन प्रणाली, सामाजिक न्याय तथा अंतर्राष्ट्रीय संबंध | | G.S. Paper 2: Governance, Constitution, Polity, Social Justice and International Relations | |
|---|---|---|---|
| **क्र.सं.** | **विषय** | **S.No.** | **Topic** |
| 1. | भारतीय संविधान- ऐतिहासिक आधार, विकास, विशेषताएँ, संशोधन, महत्त्वपूर्ण प्रावधान और बुनियादी संरचना। | 1. | Indian Constitution- historical underpinnings, evolution, features, amendments, significant provisions and basic structure. |
| 2. | संघ एवं राज्यों के कार्य तथा उत्तरदायित्व? संघीय ढाँचे से संबंधित विषय एवं चुनौतियाँ, स्थानीय स्तर पर शक्तियों और वित्त का हस्तांतरण और उसकी चुनौतियाँ। | 2. | Functions and responsibilities of the Union and the States, issues and challenges pertaining to the federal structure, devolution of powers and finances up to local levels and challenges therein. |
| 3. | विभिन्न घटकों के बीच शक्तियों का पृथक्करण, विवाद निवारण तंत्र तथा संस्थान। | 3. | Separation of powers between various organs, dispute redressal mechanisms and institutions. |
| 4. | भारतीय संवैधानिक योजना की अन्य देशों के साथ तुलना। | 4. | Comparison of the Indian constitutional scheme with that of other countries. |
| 5. | संसद और राज्य विधायिका- संरचना, कार्य, कार्य-संचालन, शक्तियाँ एवं विशेषाधिकार और इनसे उत्पन्न होने वाले विषय। | 5. | Parliament and State Legislatures- structure, functioning, conduct of business, powers & privileges and issues arising out of these. |
| 6. | कार्यपालिका और न्यायपालिका की संरचना, संगठन और कार्य- सरकार के मंत्रालय एवं विभाग, प्रभावक समूह और औपचारिक/अनौपचारिक संघ तथा शासन प्रणाली में उनकी भूमिका। | 6. | Structure, organization and functioning of the Executive and the Judiciary; Ministries and Departments of the Government; pressure groups and formal/informal associations and their role in the Polity. |
| 7. | जन प्रतिनिधित्व अधिनियम की मुख्य विशेषताएँ। | 7. | Salies features of the Representation of People's Act. |
| 8. | विभिन्न संवैधानिक पदों पर नियुक्ति और विभिन्न संवैधानिक निकायों की शक्तियाँ, कार्य और उत्तरदायित्व। | 8. | Appointment to various Constitutional posts, powers, functions and responsibilities of various Constitutional Bodies. |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 9. | सांविधिक, विनियामक और विभिन्न अर्द्ध-न्यायिक निकाय। | 9. | Statutory, regulatory and various quasi-judicial bodies. |
| 10. | सरकारी नीतियों और विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिए हस्तक्षेप और उनके अभिकल्पन तथा कार्यान्वयन के कारण उत्पन्न विषय। | 10. | Government policies and interventions for development in various sectors and issues arising out of their design and implementation. |
| 11. | विकास प्रक्रिया तथा विकास उद्योग– गैर-सरकारी संगठनों, स्वयं सहायता, समूहों, विभिन्न समूहों और संघों, दानकर्ताओं, लोकोपकारी संस्थाओं, संस्थागत एवं अन्य पक्षों की भूमिका। | 11. | Development processes and the development industry- the role of NGOs, SHGs, various groups and associations donors, charities, institutional and other stakeholders. |
| 12. | केंद्र एवं राज्यों द्वारा जनसंख्या के अति संवेदनशील वर्गों के लिए कल्याणकारी योजनाएँ और इन योजनाओं का कार्य-निष्पादन; इन अतिसंवेदनशील वर्गों की रक्षा एवं बेहतरी के लिए गठित तंत्र, विधि, संस्थान एवं निकाय। | 12. | Welfare shemes for vulnerable sections of the population by the Centre and States and the performance of these schemes; mechanisms, laws, institutios and bodies constituted for the protection and betterment of these vulnerable sections. |
| 13. | स्वास्थ्य, शिक्षा, मानव संसाधनों से संबंधित सामाजिक क्षेत्र/सेवाओं के विकास और प्रबंधन से संबंधित विषय। | 13. | Issues relating to development and management of Social Sector/Services relating to Health, Education, Human Resources. |
| 14. | गरीबी एवं भूख से संबंधित विषय। | 14. | Issues relating to poverty and hunger. |
| 15. | शासन व्यवस्था, पारदर्शिता और जवाबदेही के महत्त्वपूर्ण पक्ष, ई-गवर्नेंस– अनुप्रयोग, मॉडल, सफलताएँ, सीमाएँ, और सम्भावनाएँ; नागरिक चार्टर, पारदर्शिता एवं जवाबदेही और संस्थागत तथा अन्य उपाय। | 15. | Important aspects of governance, transparency and accountability, e-governance- applications, models, successes, limitations and potential; citizens charters, transparency & accountability and institutional and other measures. |
| 16. | लोकतंत्र में सिविल सेवाओं की भूमिका। | 16. | Role of civil services in a democracy. |
| 17. | भारत एवं इसके पड़ोसी-संबंध | 17. | India and its neighbourhood-relations. |
| 18. | द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक समूह और भारत से संबंधित और/अथवा भारत के हितों को प्रभावित करने वाले करार। | 18. | Bilateral, regional and global groupings and agreements involving India and/or affecting India's interests. |
| 19. | भारत के हितों पर विकसित तथा विकासशील देशों की नीतियों तथा राजनीति का प्रभाव; प्रवासी भारतीय। | 19. | Effect of policies and politics of developed and developing countries on India's interests, Indian diaspora. |
| 20. | महत्त्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय संस्थान, संस्थाएँ और मंच– उनकी संरचना, अधिदेश। | 20. | Important International institutions, agencies and fora- their structure, mandate. |

| सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र-3: प्रौद्योगिकी, आर्थिक विकास, जैव विविधता, पर्यावरण, सुरक्षा तथा आपदा प्रबंधन | | G.S. Paper 3: Technology, Economic Development, Biodiversity, Environment, Security & Disaster Management | |
|---|---|---|---|
| **क्र.सं.** | **विषय** | **S.No.** | **Topic** |
| 1. | भारतीय अर्थव्यवस्था तथा योजना, संसाधनों को जुटाने, प्रगति, विकास तथा रोजगार से संबंधित विषय। | 1. | Indian Economy and issues relating to planning, mobilization of resources, growth, development and employment. |
| 2. | समावेशी विकास तथा इससे उत्पन्न विषय। | 2. | Inclusive growth and issues arising from it. |
| 3. | सरकारी बजट। | 3. | Government Budgeting. |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 4. | मुख्य फसलें– देश के विभिन्न भागों में फसलों का पैटर्न– सिंचाई के विभिन्न प्रकार एवं सिंचाई प्रणाली– कृषि उत्पाद का भंडारण, परिवहन तथा विपणन, संबंधित विषय और बाधाएँ; किसानों की सहायता के लिए ई-प्रौद्योगिकी। | 4. | Major crops - cropping patterns in various parts of the country, different types of irrigation and irrigation systems-storage, transport and marketing of agricultural produce and issues and related constraints; e-technology in the aid of farmers. |
| 5. | प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कृषि सहायता तथा न्यूनतम समर्थन मूल्य से संबंधित विषय; जन वितरण प्रणाली– उद्देश्य, कार्य, सीमाएँ, सुधार; बफर स्टॉक तथा खाद्य सुरक्षा संबंधी विषय; प्रौद्योगिकी मिशन; पशुपालन संबंधी अर्थशास्त्र। | 5. | Issues related to direct and indirect from subsidies and minimum support prices; Public Distribution System - objectives, functioning, limitations, revampering; issues of buffer stocks and food security; Technology missions; economics of animal-rearing. |
| 6. | भारत में खाद्य प्रसंस्करण एवं संबंधित उद्योग– कार्यक्षेत्र एवं महत्त्व, स्थान, ऊपरी और नीचे की अपेक्षाएँ, आपूर्ति शृंखला प्रबंधन। | 6. | Food processing and related industries in India - scope and significance, location, upstream and downstream requirements, supply chain management. |
| 7. | भारत में भूमि सुधार। | 7. | Land reforms in India. |
| 8. | उदारीकरण का अर्थव्यवस्था पर प्रभाव, औद्योगिक नीति में परिवर्तन तथा औद्योगिक विकास पर इनका प्रभाव। | 8. | Effect of liberalization on the economy, changes in industrial policy and their effects on industrial growth. |
| 9. | बुनियादी ढाँचा– ऊर्जा, बंदरगाह, सड़क, विमानपत्तन, रेलवे आदि। | 9. | Infrastructure: Energy, Ports, Roads, Airports, Railways etc. |
| 10. | निवेश मॉडल। | 10. | Investment models. |
| 11. | विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी– विकास एवं अनुप्रयोग और रोजमर्रा के जीवन पर इसका प्रभाव। | 11. | Science and Technology- developments and their applications and effects in everyday life. |
| 12. | विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में भारतीयों की उपलब्धियाँ; देशज रूप से प्रौद्योगिकी का विकास और नई प्रौद्योगिकी का विकास। | 12. | Achievements of Indians in Science & Technology; indigenization of technology and developing new technology. |
| 13. | सूचना प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष, कम्प्यूटर, रोबोटिक्स, नैनो-टैक्नोलॉजी, बायो-टैक्नोलॉजी, और बौद्धिक सम्पदा अधिकारों से संबंधित विषयों के संबंध में जागरूकता। | 13. | Awareness in the fields of IT, Space, Computers, robotics, nano-technology, bio-technology and issues relating to intellectual property rights. |
| 14. | संरक्षण, पर्यावरण प्रदूषण और क्षरण, पर्यावरण प्रभाव का आकलन। | 14. | Conservation, environmental pollution and degradation, environmental impact assessment. |
| 15. | आपदा और आपदा प्रबंधन। | 15. | Disaster and disaster management. |
| 16. | विकास और फैलते उग्रवाद के बीच संबंध। | 16. | Linkages between development and spread of extremism. |
| 17. | आंतरिक सुरक्षा के लिए चुनौती उत्पन्न करने वाले शासन विरोधी तत्त्वों की भूमिका। | 17. | Role of external state and non-state actors in creating challenges to internal security. |
| 18. | संचार नेटवर्क के माध्यम से आंतरिक सुरक्षा को चुनौती, आंतरिक सुरक्षा चुनौतियों में मीडिया और सामाजिक नेटवर्किंग साइटों की भूमिका, साइबर सुरक्षा की बुनियादी बातें, धन-शोधन और इसे रोकना। | 18. | Challenges to intenal security through communication networks, role of media and social networking sites in internal security challenges, basics of cyber security; money-laundering and its prevention. |
| 19. | सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा चुनौतियाँ एवं उनका प्रबंधन– संगठित अपराध और आतंकवाद के बीच संबंध। | 19. | Security challenges and their management in border areas-linkages of organized crime with terrorism. |
| 20. | विभिन्न सुरक्षा बल और संस्थाएँ तथा उनके अधिदेश। | 20. | Various Security forces and agencies and their mandate. |

| सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र-4 : नीतिशास्त्र, सत्यनिष्ठा और अभिरुचि | | G.S. Paper 4: Ethics, Integrity and Aptitude | |
|---|---|---|---|
| इस प्रश्नपत्र में ऐसे प्रश्न शामिल होंगे जो सार्वजनिक जीवन में उम्मीदवारों की सत्यनिष्ठा, ईमानदारी से संबंधित विषयों के प्रति उनकी अभिवृत्ति तथा उनके दृष्टिकोण तथा समाज से आचार-व्यवहार में विभिन्न मुद्दों तथा सामने आने वाली समस्याओं के समाधान को लेकर उनकी मनोवृत्ति का परीक्षण करेंगे। इन आयामों का निर्धारण करने के लिए प्रश्न-पत्र में किसी मामले के अध्ययन (केस स्टडी) का माध्यम भी चुना जा सकता है। मुख्य रूप से निम्नलिखित क्षेत्रों को कवर किया जाएगा। | | This space will include questions to test the candidates attitude and approach to issues relating to integrity, probity in public life and his problem solving approach to various issues and conflicts faced by his in dealing with society. Questions may utilise the case study approach to determine these aspects. The following broad areas will be covered. | |
| **क्र.सं.** | **विषय** | **S.No.** | **Topic** |
| 1. | **नीतिशास्त्र तथा मानवीय सह-संबंध :** मानवीय क्रियाकलापों में नीतिशास्त्र का सार तत्त्व, इसके निर्धारक और परिणाम; नीतिशास्त्र के आयाम; निजी और सार्वजनिक संबंधों में नीतिशास्त्र, मानवीय मूल्य- महान नेताओं, सुधारकों और प्रशासकों के जीवन तथा उनके उपदेशों से शिक्षा; मूल्य विकसित करने में परिवार, समाज और शैक्षणिक संस्थाओं की भूमिका। | 1. | **Ethics and Human Interface:** Essence, determinants and consequences of Ethics in human actions; dimensions of ethics; ethics in private and public relationships. Human Values – lessons from the lives and teachings of great leaders, reformers and administrators; role of family, society and educational institutions in including values. |
| 2. | **अभिवृत्ति :** सारांश (कंटेन्ट), संरचना, वृत्ति; विचार तथा आचरण के परिप्रेक्ष्य में इसका प्रभाव एवं संबंध; नैतिक और राजनीतिक अभिरुचि; सामाजिक प्रभाव और धारणा। | 2. | **Attitude:** Content, structure, function; its influence and relation with thought and behaviour; moral and political attitudes; social influence and persuasion. |
| 3. | **सिविल सेवा के लिए अभिरुचि तथा बुनियादी मूल्य :** सत्यनिष्ठा, भेदभावरहित तथा गैर-तरफदारी, निष्पक्षता, सार्वजनिक सेवा के प्रति समर्पण भाव, कमज़ोर वर्गों के प्रति सहानुभूति, सहिष्णुता तथा संवेदना। | 3. | **Aptitude and foundational values for Civil Services:** integrity, impartiality and non-partisanship, objectivity, dedication to public service, empathy, tolerance and compassion towards the weaker sections. |
| 4. | **भावात्मक समझ :** अवधारणाएँ तथा प्रशासन और शासन व्यवस्था में उनके उपयोग और प्रयोग। | 4. | **Emotional intelligence:** Concepts, and their utilities and application in administration and governance. |
| 5. | भारत तथा विश्व के नैतिक विचारकों तथा दार्शनिकों के योगदान। | 5. | Contributions of moral thinkers and philosophers from India and world. |
| 6. | **लोक प्रशासन में लोक/सिविल सेवा मूल्य तथा नीतिशास्त्र :** स्थिति तथा समस्याएँ; सरकारी तथा निजी संस्थानों में नैतिक चिंताएँ तथा दुविधाएँ; नैतिक मार्गदर्शन के स्रोतों के रूप में विधि, नियम, विनियम तथा अंतरात्मा; उत्तरदायित्व तथा नैतिक शासन, शासन व्यवस्था में नीतिपरक तथा नैतिक मूल्यों का सुदृढ़ीकरण; अंतर्राष्ट्रीय संबंधों तथा निधि व्यवस्था (फंडिंग) में नैतिक मुद्दे; कॉरपोरेट शासन व्यवस्था। | 6. | **Public/Civil service values and Ethics in Public administration:** Status and problems; ethical concerns and dilemmas in government and private institutions; laws, rules, regulations and conscience as sources of ethical guidance; accountability and ethical governance; strengthening of ethical and moral values in governance; ethical issues in international relations and funding; corporate governance. |
| 7. | **शासन व्यवस्था में ईमानदारी :** लोक सेवा की अवधारणा; शासन व्यवस्था और ईमानदारी का दार्शनिक आधार, सरकार में सूचना का आदान-प्रदान और पारदर्शिता, सूचना का अधिकार, नीतिपरक आचार संहिता, आचार संहित, नागरिक घोषणा पत्र, कार्य संस्कृति, सेवा प्रदान करने की गुणवत्ता, लोक निधि का उपयोग, भ्रष्टाचार की चुनौतियाँ। | 7. | **Probity in Governance:** Concept of public service; Philosophical basis of governance and probity; Information sharing and transparency in government, Right to Information, Codes of Ethics, Codes of Conduct, Citizen's Charters, Work culture, Quality of service delivery, Utilization of public funds, challenges of corruption. |
| 8. | उपर्युक्त विषयों पर मामला संबंधी अध्ययन (केस स्टडीज़)। | 8. | Case Studies on above issues. |

## सिविल सेवा मुख्य परीक्षा में सामान्य अध्ययन के प्रश्नपत्रों का खंडवार एवं अंकवार वर्गीकरण

*सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र-1*

| भारत एवं विश्व का इतिहास | प्रश्नों की संख्या/अंक | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 2023 | 2022 | 2021 | 2020 | 2019 | 2018 | 2017 | 2016 | 2015 |
| भारतीय विरासत एवं संस्कृति | 2 (25 अंक) | 3 (40 अंक) | 1 (10 अंक) | 4 (50 अंक) | 2 (20 अंक) | 4 (50 अंक) | 1 (10 अंक) | 2 (25 अंक) | 2 (25 अंक) |
| आधुनिक भारत का इतिहास (स्वतंत्रता से पूर्व) | 2 (25 अंक) | 2 (20 अंक) | 3 (40 अंक) | 2 (25 अंक) | 3 (35 अंक) | 1 (10 अंक) | 5 (65 अंक) | 3 (37.5 अंक) | 2 (25 अंक) |
| आधुनिक भारत का इतिहास (स्वतंत्रता के पश्चात्) | 1 (15 अंक) | 1 (15 अंक) | 1 (10 अंक) | – | – | 1 (15 अंक) | – | 1 (12.5 अंक) | 1 (12.5 अंक) |
| विश्व इतिहास | 1 (10 अंक) | – | 1 (15 अंक) | – | 2 (30 अंक) | – | 1 (10 अंक) | 1 (12.5 अंक) | 2 (25 अंक) |
| **अंक** | **75 अंक** | **75 अंक** | **75 अंक** | **75 अंक** | **85 अंक** | **75 अंक** | **85 अंक** | **87.5 अंक** | **87.5 अंक** |
| **भारतीय समाज में सामाजिक समस्याएँ** | **प्रश्नों की संख्या/अंक** | | | | | | | | |
| | **2023** | **2022** | **2021** | **2020** | **2019** | **2018** | **2017** | **2016** | **2015** |
| भारतीय समाज की विशेषताएँ | 2 (30 अंक) | 2 (25 अंक) | 2 (25 अंक) | 2 (25 अंक) | 2 (25 अंक) | 1 (10 अंक) | 2 (25 अंक) | – | 1 (12.5 अंक) |
| महिलाओं से संबंधित मुद्दे | 1 (10 अंक) | – | – | – | 2 (25 अंक) | 1 (15 अंक) | – | – | 1 (12.5 अंक) |
| गरीबी एवं विकासात्मक विषय | 1 (15 अंक) | – | – | 1 (10 अंक) | – | 2 (25 अंक) | – | 1 (12.5 अंक) | 1 (12.5 अंक) |
| शहरीकरण | 1 (15 अंक) | 1 (10 अंक) | 1 (15 अंक) | – | – | – | 1 (15 अंक) | 2 (25 अंक) | 2 (25 अंक) |
| जनसंख्या | – | 1 (10 अंक) | 1 (15 अंक) | – | – | – | – | – | 2 (25 अंक) |
| भारतीय समाज पर भूमंडलीकरण का प्रभाव | 2 (20 अंक) | – | 1 (15 अंक) | 1 (15 अंक) | 1 (15 अंक) | 1 (15 अंक) | – | 1 (12.5 अंक) | – |
| सम्प्रदायवाद, क्षेत्रवाद, धर्मनिरपेक्षता | 1 (15 अंक) | 1 (15 अंक) | – | 1 (10 अंक) | – | 2 (25 अंक) | 1 (15 अंक) | 1 (12.5 अंक) | – |
| सामाजिक सशक्तीकरण | – | – | 1 (10 अंक) | 1 (15 अंक) | – | – | 1 (10 अंक) | 1 (12.5 अंक) | 1 (12.5 अंक) |
| **अंक** | **105 अंक** | **60 अंक** | **80 अंक** | **75 अंक** | **65 अंक** | **90 अंक** | **65 अंक** | **75 अंक** | **100 अंक** |
| **भारत एवं विश्व का भूगोल** | **प्रश्नों की संख्या/अंक** | | | | | | | | |
| | **2023** | **2022** | **2021** | **2020** | **2019** | **2018** | **2017** | **2016** | **2015** |
| भौतिक भूगोल | 2 (20 अंक) | 2 (30 टाक) | 2 (25 अंक) | 2 (20 अंक) | 2 (25 अंक) | 2 (25 अंक) | 3 (40 अंक) | 1 (12.5 अंक) | 2 (25 अंक) |
| प्राकृतिक संसाधनों का वितरण | 2 (25 अंक) | 4 (50 टाक) | 1 (15 अंक) | 3 (40 अंक) | 2 (30 अंक) | 2 (25 अंक) | 1 (10 अंक) | 5 (62.5 अंक) | 3 (37.5 अंक) |
| भारत एवं विश्व में उद्योगों को स्थापित करने वाले कारक | – | – | 1 (10 अंक) | 1 (10 अंक) | 1 (15 अंक) | 2 (25 अंक) | 2 (25 अंक) | – | – |
| महत्त्वपूर्ण भू-भौतिक घटनाएँ (भूकंप, सुनामी, ज्वालामुखी इत्यादि) | 1 (10 अंक) | 1 (10 अंक) | 3 (35 अंक) | 2 (30 अंक) | – | – | 1 (15 अंक) | 1 (12.5 अंक) | – |
| भौगोलिक विशेषताएँ और उनके स्थान | 1 (15 अंक) | 2 (25 अंक) | 1 (10 अंक) | – | 3 (30 अंक) | 1 (10 अंक) | 1 (10 अंक) | – | – |
| **अंक** | **70 अंक** | **115 अंक** | **95 अंक** | **100 अंक** | **100 अंक** | **85 अंक** | **100 अंक** | **87.5 अंक** | **62.5 अंक** |
| **कुल अंक** | **250** | **250** | **250** | **250** | **250** | **250** | **250** | **250** | **250** |

## सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र-2

| भारतीय संविधान एवं शासन प्रणाली | प्रश्नों की संख्या/अंक | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 2023 | 2022 | 2021 | 2020 | 2019 | 2018 | 2017 | 2016 | 2015 |
| भारतीय संविधान (विशेषताएँ प्रावधान) भारतीय संवैधानिक योजना की अन्य देशों से तुलना | 2 (25 अंक) | 2 (25 अंक) | 2 (25 अंक) | 1 (15 अंक) | 1 (10 अंक) | 1 (15 अंक) | 2 (30 अंक) | 3 (37.5 अंक) | 2 (25 अंक) |
| संघीय ढाँचे से संबंधित विषय एवं स्थानीय शासन | 3 (40 अंक) | 1 (15 अंक) | 1 (15 अंक) | 2 (25 अंक) | 2 (25 अंक) | 2 (30 अंक) | 1 (10 अंक) | 2 (25 अंक) | 3 (37.5 अंक) |
| विधायिका एवं जनप्रतिनिधित्व अधिनियम | 1 (15 अंक) | 3 (40 अंक) | 2 (30 अंक) | 2 (25 अंक) | 3 (40 अंक) | 1 (10 अंक) | 2 (25 अंक) | 1 (12.5 अंक) | – |
| कार्यपालिका | – | – | | 1 (10 अंक) | 1 (10 अंक) | 1 (10 अंक) | – | – | – |
| न्यायपालिका | – | 1 (10 अंक) | 1 (10 अंक) | 2 (25 अंक) | 1 (10 अंक) | 1 (15 अंक) | 1 (10 अंक) | – | 1 (12.5 अंक) |
| विभिन्न घटकों के मध्य शक्ति का पृथक्करण | 1 (10 अंक) | 1 (10 अंक) | 1 (10 अंक) | – | 1 (15 अंक) | – | – | – | 1 (12.5 अंक) |
| संवैधानिक पद तथा संवैधानिक, विधिक, विनियामक एवं अर्द्ध-न्यायिक निकाय | 3 (30 अंक) | 2 (25 अंक) | 2 (25 अंक) | 2 (25 अंक) | – | 4 (45 अंक) | 2 (25 अंक) | 2 (25 अंक) | 1 (12.5 अंक) |
| लोकतंत्र में सिविल सेवा | – | – | – | – | – | – | 1 (15 अंक) | 1 (12.5 अंक) | – |
| **अंक** | **120 अंक** | **125 अंक** | **115 अंक** | **125 अंक** | **110 अंक** | **125 अंक** | **115 अंक** | **112.5 अंक** | **100 अंक** |
| **शासन व्यवस्था एवं सामाजिक न्याय** | **प्रश्नों की संख्या/अंक** | | | | | | | | |
| | **2023** | **2022** | **2021** | **2020** | **2019** | **2018** | **2017** | **2016** | **2015** |
| विकास के लिए सरकारी नीतियाँ एवं क्रियान्वयन से संबंधित विषय | 1 (15 अंक) | 1 (10 अंक) | 1 (15 अंक) | – | 2 (25 अंक) | 1 (10 अंक) | 3 (40 अंक) | – | – |
| गैर-सरकारी संगठन, स्वयं सहायता समूह एवं विभिन्न समूहों की विकास प्रक्रिया में भूमिका | 1 (15 अंक) | 1 (15 अंक) | 3 (35 अंक) | 1 (15 अंक) | 1 (10 अंक) | – | 2 (25 अंक) | 1 (12.5 अंक) | 3 (37.5 अंक) |
| अतिसंवेदनशील वर्गों के लिए चलाई गई कल्याणकारी योजनाएँ | 1 (15 अंक) | 2 (25 अंक) | 1 (15 अंक) | 1 (10 अंक) | 1 (15 अंक) | – | 1 (10 अंक) | 1 (12.5 अंक) | – |
| मानव संसाधन से संबंधित विषय | 2 (25 अंक) | 1 (15 अंक) | 2 (20 अंक) | 1 (15 अंक) | – | 2 (25 अंक) | – | 2 (25 अंक) | 2 (25 अंक) |
| गरीबी एवं भूख से संबंधित विषय | – | – | – | 1 (15 अंक) | 1 (10 अंक) | 1 (15 अंक) | 1 (10 अंक) | – | 1 (12.5 अंक) |
| शासन व्यवस्था से संबंधित विषय, पारदर्शिता, जवाबदेही, ई-गवर्नेन्स, सिटिजन चार्टर | 1 (10 अंक) | 1 (10 अंक) | – | 2 (20 अंक) | 2 (25 अंक) | 2 (25 अंक) | – | 3 (37.5 अंक) | 2 (25 अंक) |
| **अंक** | **80 अंक** | **75 अंक** | **85 अंक** | **75 अंक** | **85 अंक** | **75 अंक** | **85 अंक** | **87.5 अंक** | **100 अंक** |
| **अंतर्राष्ट्रीय संबंध** | **प्रश्नों की संख्या/अंक** | | | | | | | | |
| | **2023** | **2022** | **2021** | **2020** | **2019** | **2018** | **2017** | **2016** | **2015** |
| भारत एवं इसके पड़ोसी देश | – | 1 (10 अंक) | – | – | 1 (15 अंक) | 2 (20 अंक) | 1 (10 अंक) | – | 2 (25 अंक) |
| द्विपक्षीय, क्षेत्रीय एवं वैश्विक समूह, विकसित और विकासशील देशों की नीतियों का भारत पर प्रभाव, प्रवासी भारतीय | 3 (35 अंक) | 3 (40 अंक) | 4 (50 अंक) | 3 (40 अंक) | 3 (35 अंक) | 1 (15 अंक) | 2 (30 अंक) | 2 (25 अंक) | 1 (12.5 अंक) |
| महत्त्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय संस्थान | 1 (15 अंक) | – | – | 1 (10 अंक) | – | 1 (15 अंक) | 1 (10 अंक) | 2 (25 अंक) | 1 (12.5 अंक) |
| **अंक** | **50 अंक** | **50 अंक** | **50 अंक** | **50 अंक** | **50 अंक** | **50 अंक** | **50 अंक** | **50 अंक** | **50 अंक** |
| **कुल अंक** | **250** | **250** | **250** | **250** | **250** | **250** | **250** | **250** | **250** |

## सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र-3

| अर्थव्यवस्था | प्रश्नों की संख्या/अंक | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 2023 | 2022 | 2021 | 2020 | 2019 | 2018 | 2017 | 2016 | 2015 |
| भारतीय अर्थव्यवस्था, योजना, संसाधन, विकास, रोजगार से संबंधित मुद्दे | 4 (50 अंक) | 3 (40 अंक) | 2 (25 अंक) | 2 (30 अंक) | 2 (25 अंक) | 2 (30 अंक) | 2 (20 अंक) | – | 3 (37.5 अंक) |
| समावेशी विकास | – | 1 (10 अंक) | – | 1 (10 अंक) | – | 1 (10 अंक) | 1 (15 अंक) | 2 (25 अंक) | – |
| बजट | – | – | 1 (10 अंक) | 1 (10 अंक) | 2 (25 अंक) | 1 (10 अंक) | 1 (15 अंक) | 1 (12.5 अंक) | – |
| मुख्य फसलें, कृषि उत्पाद का भंडारण, परिवहन, सिंचाई, ई-प्रौद्योगिकी तथा अन्य संबंधित विषय एवं बाधाएँ | 2 (25 अंक) | 2 (30 अंक) | 2 (25 अंक) | 2 (25 अंक) | 2 (20 अंक) | 3 (40 अंक) | 2 (25 अंक) | 2 (25 अंक) | 2 (25 अंक) |
| प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कृषि सहायता, जन वितरण प्रणाली, खाद्य सुरक्षा | 1 (15 अंक) | 1 (10 अंक) | 1 (15 अंक) | – | 1 (15 अंक) | 1 (10 अंक) | 1 (15 अंक) | 1 (12.5 अंक) | 1 (12.5 अंक) |
| खाद्य प्रसंस्करण एवं संबंधित उद्योग, पशुपालन | – | 1 (10 अंक) | – | 1 (10 अंक) | 1 (15 अंक) | – | 1 (10 अंक) | – | 2 (25 अंक) |
| भारत में भूमि सुधार | 1 (10 अंक) | – | 1 (10 अंक) | – | – | – | – | 1 (12.5 अंक) | – |
| उदारीकरण का अर्थव्यवस्था पर प्रभाव, औद्योगिक नीति | – | – | – | – | – | – | 1 (15 अंक) | 1 (12.5 अंक) | – |
| बुनियादी ढाँचा | – | – | – | – | – | 1 (15 अंक) | – | 2 (25 अंक) | 1 (12.5 अंक) |
| निवेश मॉडल | – | 1 (10 अंक) | 1 (15 अंक) | – | – | – | 1 (10 अंक) | 1 (12.5 अंक) | 1 (12.5 अंक) |
| **अंक** | **100 अंक** | **110 अंक** | **100 अंक** | **85 अंक** | **100 अंक** | **115 अंक** | **125 अंक** | **137.5 अंक** | **125 अंक** |
| **विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी** | **प्रश्नों की संख्या/अंक** | | | | | | | | |
| | **2023** | **2022** | **2021** | **2020** | **2019** | **2018** | **2017** | **2016** | **2015** |
| विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में भारतीयों की उपलब्धियाँ, देशज रूप से प्रौद्योगिकी का विकास | – | 1 (15 अंक) | – | – | 2 (20 अंक) | 1 (10 अंक) | 2 (25 अंक) | 2 (25 अंक) | 1 (12.5 अंक) |
| सूचना प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष, कंप्यूटर, रोबोटिक्स, नैनो प्रौद्योगिकी, जैव प्रौद्योगिकी आदि का विकास, अनुप्रयोग और रोज़मर्रा जीवन पर प्रभाव | 3 (35 अंक) | 1 (15 अंक) | 3 (40 अंक) | 4 (50 अंक) | 2 (30 अंक) | 1 (15 अंक) | 1 (10 अंक) | – | 3 (37.5 अंक) |
| **अंक** | **35 अंक** | **30 अंक** | **40 अंक** | **50 अंक** | **50 अंक** | **25 अंक** | **35 अंक** | **25 अंक** | **50 अंक** |
| **पर्यावरण** | **4 (55 अंक)** | **4 (50 अंक)** | **3 (35 अंक)** | **4 (50 अंक)** | **3 (35 अंक)** | **4 (45 अंक)** | **2 (25 अंक)** | **1 (12.5 अंक)** | **1 (12.5 अंक)** |
| **आपदा प्रबंधन** | **1 (10 अंक)** | **1 (10 अंक)** | **2 (25 अंक)** | **1 (15 अंक)** | **1 (15 अंक)** | **1 (15 अंक)** | **1 (15 अंक)** | **2 (25 अंक)** | **1 (12.5 अंक)** |
| **सुरक्षा** | **प्रश्नों की संख्या/अंक** | | | | | | | | |
| | **2023** | **2022** | **2021** | **2020** | **2019** | **2018** | **2017** | **2016** | **2015** |
| आंतरिक सुरक्षा की चुनौतियाँ, साइबर सुरक्षा, धनशोधन | 1 (15 अंक) | 2 (30 अंक) | 3 (35 अंक) | 2 (25 अंक) | 2 (20 अंक) | 2 (25 अंक) | 2 (25 अंक) | 1 (12.5 अंक) | 3 (37.5 अंक) |
| सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा चुनौतियाँ, संगठित अपराध एवं आतंकवाद | 3 (35 अंक) | 2 (20 अंक) | 1 (15 अंक) | 2 (25 अंक) | 2 (30 अंक) | 2 (25 अंक) | 2 (25 अंक) | 3 (37.5 अंक) | – |
| सुरक्षा बल और संस्थान तथा उनके अधिदेश | – | – | – | – | – | – | – | – | 1 (12.5 अंक) |
| **अंक** | **50 अंक** | **50 अंक** | **50 अंक** | **50 अंक** | **50 अंक** | **50 अंक** | **50 अंक** | **50 अंक** | **50 अंक** |
| **कुल अंक** | **250** | **250** | **250** | **250** | **250** | **250** | **250** | **250** | **250** |

*सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र-4*

| नीतिशास्त्र, सत्यनिष्ठा और अभिरुचि | प्रश्नों की संख्या/अंक | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 2023 | 2022 | 2021 | 2020 | 2019 | 2018 | 2017 | 2016 | 2015 |
| नीतिशास्त्र तथा मानवीय सह-संबंध; नीतिशास्त्र के आयाम; निजी और सार्वजनिक संबंधों में नीतिशास्त्र, मानवीय मूल्य | 6 (70 अंक) | 1 (10 अंक) | 3 (40 अंक) | 4 (40 अंक) | 2 (20 अंक) | 1 (10 अंक) | 3 (30 अंक) | 3 (40 अंक) | 4 (55 अंक) |
| अभिवृत्ति : सारांश, संरचना, वृत्ति, विचार एवं आचरण में इसका प्रभाव, नैतिक और राजनीतिक अभिरुचि, सामाजिक प्रभाव एवं धारण | – | – | 1 (10 अंक) | 2 (20 अंक) | 1 (10 अंक) | – | 1 (10 अंक) | 2 (20 अंक) | – |
| भावात्मक समझ : अवधारणा तथा प्रशासन में उपयोग | 1 (10 अंक) | – | 2 (30 अंक) | 1 (10 अंक) | 1 (10 अंक) | – | 1 (10 अंक) | 1 (10 अंक) | – |
| भारत एवं विश्व के नैतिक विचारक एवं दार्शनिक | – | 3 (30 अंक) | 3 (30 अंक) | 5 (50 अंक) | 3 (30 अंक) | 3 (30 अंक) | 2 (20 अंक) | 4 (40 अंक) | 2 (20 अंक) |
| सिविल सेवा के लिए अभिरुचि तथा बुनियादी मूल्य : सत्यनिष्ठा, गैर- तरफदारी, सेवा के प्रति समर्पण, कमज़ोर वर्ग के प्रति सहानुभूति | 4 (60 अंक) | 2 (20 अंक) | 2 (20 अंक) | 2 (40 अंक) | 1 (10 अंक) | 1 (10 अंक) | 3 (40 अंक) | 2 (30 अंक) | 5 (60 अंक) |
| लोक प्रशासन में लोक/सिविल सेवा मूल्य तथा नीतिशास्त्र, सरकारी एवं निजी संस्थान में नैतिक चिंता एवं दुविधा, उत्तरदायित्व, अंतर्राष्ट्रीय संबंधों एवं निधि व्यवस्था के नैतिक मुद्दे | 5 (70 अंक) | 8 (120 अंक) | 5 (70 अंक) | 3 (50 अंक) | 6 (90 अंक) | 8 (110 अंक) | 5 (70 अंक) | 3 (65 अंक) | 4 (70 अंक) |
| शासन व्यवस्था में ईमानदारी, लोक सेवा की अवधारणा, सूचना का अधिकार, नीतिपरक आचार संहिता, पारदर्शिता, कार्य संस्कृति, सेवा की गुणवत्ता, लोक निधि, भ्रष्टाचार | 3 (40 अंक) | 5 (70 अंक) | 3 (50 अंक) | 2 (40 अंक) | 5 (80 अंक) | 6 (90 अंक) | 4 (70 अंक) | 3 (45 अंक) | 3 (45 अंक) |
| **कुल अंक** | **250** | **250** | **250** | **250** | **250** | **250** | **250** | **250** | **250** |

## मुख्य परीक्षा में कट-ऑफ (Cut-off in Main Exam)

मुख्य परीक्षा कुल 1750 अंकों की होती है। इनमें से 1000 अंक सामान्य अध्ययन के होते हैं, वर्ष 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019, 2020, 2021, 2022 एवं 2023 की मुख्य परीक्षाओं में विभिन्न वर्गों के लिए कट-ऑफ का स्तर निम्नलिखित रहा है–

| वर्ग | 2014 | 2015 | 2016 | 2017 | 2018 | 2019 | 2020 | 2021 | 2022 | 2023 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सामान्य वर्ग (Gen.) | 678 | 676 | 787 | 809 | 774 | 751 | 736 | 745 | 748 | 741 |
| आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्ग (EWS) | – | – | – | – | – | 696 | 687 | 713 | 715 | 706 |
| अन्य पिछड़े वर्ग (OBC) | 631 | 630 | 745 | 770 | 732 | 718 | 698 | 707 | 714 | 712 |
| अनुसूचित जाति (SC) | 631 | 622 | 739 | 756 | 719 | 706 | 680 | 700 | 699 | 694 |
| अनुसूचित जनजाति (ST) | 619 | 617 | 730 | 749 | 719 | 699 | 682 | 700 | 706 | 692 |
| विकलांग वर्ग-1 (PH-1) | 609 | 580 | 713 | 734 | 711 | 663 | 648 | 668 | 677 | 673 |
| विकलांग वर्ग-2 (PH-2) | 575 | 627 | 740 | 745 | 696 | 698 | 699 | 712 | 706 | 718 |
| विकलांग वर्ग-3 (PH-3) | 449 | 504 | 545 | 578 | 520 | 374 | 425 | 388 | 351 | 396 |

## अर्हकारी विषय (Qualifying Subjects)

### हिंदी या संविधान की 8वीं अनुसूची में शामिल कोई भाषा

मुख्य परीक्षा में दो प्रश्नपत्र अर्हकारी प्रकृति के होते हैं। इनमें से एक अंग्रेज़ी भाषा का और दूसरा संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल किसी एक भारतीय भाषा का।

भारतीय भाषा के लिए उम्मीदवार को आठवीं अनुसूची में शामिल 22 भाषाओं में से किसी एक का चयन करना होता है। अपवादस्वरूप, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिज़ोरम, नागालैंड और सिक्किम के रहने वाले उम्मीदवारों के लिए यह प्रश्नपत्र अनिवार्य नहीं होगा।

इस प्रश्नपत्र का पूर्णांक 300 है, जिसमें अर्हकारी अंक 75 (25%) निर्धारित किए गए हैं। प्रश्नों का प्रारूप सामान्य रूप से इस प्रकार होगा–

1. बोधगम्यता
2. संक्षिप्त लेखन
3. शब्द प्रयोग व शब्द भंडार
4. लघु निबंध
5. अंग्रेज़ी से भारतीय भाषा तथा भारतीय भाषा से अंग्रेज़ी भाषा में अनुवाद

### अंग्रेज़ी भाषा

इस प्रश्नपत्र का पूर्णांक 300 है, जिसमें अर्हकारी अंक 75 (25%) निर्धारित किए गए हैं। प्रश्नों का प्रारूप सामान्य रूप से इस प्रकार होगा–

1. Comprehension (बोधगम्यता)
2. Precis writing (संक्षिप्त लेखन)
3. Usage and Vocabulary (शब्द प्रयोग व शब्द भंडार)
4. Short Essay (लघु निबंध)

***नोट :***

- भारतीय भाषा और अंग्रेज़ी के प्रश्नपत्र मैट्रिकुलेशन अथवा समकक्ष स्तर के होंगे, इनमें उम्मीदवार को सिर्फ क्वालीफाई करना होगा। इन प्रश्नपत्रों में प्राप्त अंकों को योग्यता क्रम निर्धारित करने में शामिल नहीं किया जाता है।
- सभी उम्मीदवारों के निबंध, सामान्य अध्ययन और वैकल्पिक विषय के प्रश्नपत्रों का मूल्यांकन 'भारतीय भाषा' तथा अंग्रेज़ी के उन अर्हक प्रश्नपत्रों के साथ ही किया जाएगा, लेकिन निबंध, सामान्य अध्ययन तथा वैकल्पिक विषय के प्रश्नपत्रों पर केवल ऐसे उम्मीदवार के मामले में विचार किया जाएगा, जिन्होंने भारतीय भाषा एवं अंग्रेज़ी में न्यूनतमक 25-25% अंक प्राप्त किए हों।

### हिंदी माध्यम से जुड़ी समस्याएँ (Problems associated with Hindi Medium)

हिंदी माध्यम से सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी करने वाले उम्मीदवारों को सामान्य अध्ययन से जुड़ी उन समस्याओं की समझ होनी चाहिए जो विशेष रूप से तैयारी एवं परीक्षा के दौरान उनके सामने आती हैं।

सबसे बड़ी समस्या यह है कि मुख्य परीक्षा में सामान्य अध्ययन में हिंदी माध्यम के उम्मीदवार अंग्रेज़ी माध्यम की तुलना में कुछ नुकसान की स्थिति में रहते हैं। उदाहरणस्वरूप, अगर हम किसी भी वर्ष के परीक्षा परिणाम में अंग्रेज़ी और हिंदी माध्यम के उम्मीदवारों के सामान्य अध्ययन के अंकों की तुलना करें तो पाएंगे कि हिंदी माध्यम के उम्मीदवार औसतन 30-35 अंक पीछे रह जाते हैं। यही स्थिति दोनों माध्यमों के टॉपर्स के अंकों के बीच भी देखी जा सकती है। हालाँकि, ऐसा भी नहीं है कि यूपीएससी जानबूझकर हिंदी माध्यम के खिलाफ कोई साजिश करता है। दरअसल, यह नुकसान परीक्षा प्रणाली की आंतरिक प्रकृति के चलते होता है। इसके कुछ कारण इस प्रकार हैं–

- पहला, यह कि अंग्रेज़ी में जिस स्तर की अध्ययन-सामग्री उपलब्ध है, हिंदी में उस तरह की अध्ययन-सामग्री नहीं मिल पाती है। यह समस्या उन खंडों में और ज़्यादा गंभीर हो जाती है जिनका संबंध करेंट अफेयर्स से है। इन खंडों में मुख्य रूप से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रम और अर्थव्यवस्था शामिल हैं। गौर करने वाली बात है कि इन खंडों के लिए न सिर्फ पुस्तकों, पत्रिकाओं और 'जर्नल्स' में, बल्कि इंटरनेट पर भी हिंदी में स्तरीय अध्ययन-सामग्री नहीं मिल पाती है।
- दूसरा कारण यह है कि सामान्य अध्ययन की कॉपी की जाँच करने वाले अधिकांश परीक्षक अंग्रेज़ी में अधिक (और हिंदी में कम) सहज होने के कारण हिंदी माध्यम के उम्मीदवारों की अभिव्यक्ति से पूरी तरह से समन्वय नहीं बैठा पाते हैं। यह समस्या उन खंडों में और ज़्यादा देखने को मिलती है, जिनमें पारिभाषिक या तकनीकी शब्दावली का अधिक प्रयोग होता है क्योंकि इन शब्दों के हिंदी अनुवाद परीक्षकों के लिए दुर्बोध होते हैं। ऐसे खंडों में भूगोल, अर्थव्यवस्था, पर्यावरण, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को मुख्य रूप से शामिल किया जा सकता है।
- ध्यातव्य है कि सिविल सेवा परीक्षा का प्रश्नपत्र मूल रूप से अंग्रेज़ी में तैयार किया जाता है और हिंदी में उसका अनुवाद किया जाता है। इसलिए कभी-कभी प्रश्नपत्र में अनुवाद की गलती की वजह से भी हिंदी माध्यम के उम्मीदवारों को नुकसान उठाना पड़ता है, क्योंकि अगर अनुवादक किसी तकनीकी शब्द का अनुवाद पुस्तकों में प्रचलित अनुवाद से अलग रूप में कर दे या किसी मुहावरेदार अभिव्यक्ति को सटीक रूप में न समझ पाने के कारण अर्थ का अनर्थ कर दे तो उसकी गलती की सज़ा हिंदी माध्यम के उम्मीदवारों को भुगतनी पड़ती है।

उपर्युक्त सभी कारणों के अतिरिक्त, हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि साक्षात्कार (Interview) में भी हिंदी माध्यम के उम्मीदवार कई बार नुकसान की स्थिति में रहते हैं।

## निबंध : एक परिचय (Essay: An Introduction)

निबंध प्रश्नपत्र दो खंडों में बँटा होता है। प्रत्येक खंड में 4-4 विषय दिए होते हैं, परीक्षार्थियों को इन दोनों खंडों में से एक-एक विषय पर निबंध लिखना होता है। प्रत्येक निबंध के लिए 1000 से लेकर 1200 शब्दों की शब्द-सीमा और 125-125 अंक निर्धारित किए गए हैं। इस प्रकार, निबंध प्रश्नपत्र कुल 250 अंकों का होता है। सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी करने वाले उम्मीदवारों के बीच निबंध प्रश्नपत्र को लेकर मुख्य दुविधा यह रहती है कि निबंध आखिर क्या है और इसमें हमसे क्या जानने की कोशिश की जाती है? इसलिए यह आवश्यक हो जाता है कि परीक्षार्थी सबसे पहले यह समझें कि निबंध क्या होता है और निबंध प्रश्नपत्र में अधिक-से-अधिक अंक किस प्रकार प्राप्त किए जाएँ?

अगर साधारण भाषा में कहें तो निबंध हमारे व्यक्तित्व का दर्पण होता है। इस प्रश्नपत्र के पीछे यूपीएससी का उद्देश्य हमारे ज्ञान से अधिक व्यक्तित्व का परीक्षण करना है। निबंध-लेखन के दौरान हमारा शब्द चयन हमारी संवेदनशीलता, एक सिविल सेवक के रूप में हमारी सत्यनिष्ठा और उद्देश्य के प्रति हमारी दृढ़ता एवं नैतिकता को व्यक्त करता है।

प्रश्नपत्र के दोनों खंडों में से किसी एक खंड में अमूर्त और दार्शनिक प्रकृति के विषय पर निबंध पूछे जाते हैं, जबकि दूसरे खंड में सूचना आधारित विषयों पर निबंध पूछे जाते हैं। अमूर्त व दार्शनिक प्रकृति के विषयों में जहाँ विषय का गहन विश्लेषण, विषय के प्रति हमारी समझ और उसे प्रस्तुत करने का दृष्टिकोण महत्त्वपूर्ण होता है, वहीं सूचना आधारित विषयों में हमें तथ्य और विश्लेषण का मिला-जुला रूप प्रस्तुत करना होता है।

निबंध प्रश्नपत्र में एक बड़ी चुनौती निर्धारित शब्द-सीमा (1000 से 1200 शब्दों) में पूछे गए विषय के सभी पक्षों को प्रस्तुत करने की है। इसके लिए आवश्यक हो जाता है कि हम दिए गए विषय की मूल-आत्मा को पहचानें और आवश्यक विषय-वस्तु को निर्धारित समय व शब्द-सीमा में प्रस्तुत करें। हालाँकि, अमूर्त प्रकृति के विषयों में हमारे पास यह स्वतंत्रता होती है कि हम विषय को अपने अनुसार परिभाषित कर सकते हैं, जैसे 2019 की मुख्य परीक्षा में यूपीएससी द्वारा पूछा गया कि 'विवेक सत्य को खोज निकालता है'। इस विषय पर हम विवेक और सत्य की परिभाषाएँ और उनके विभिन्न पहलू अपनी समझ के अनुसार निर्धारित कर सकते हैं। लेकिन जब निबंध का विषय इससे भिन्न प्रकृति का हो, जैसे– 'पक्षपातपूर्ण मीडिया भारत के लोकतंत्र के समक्ष एक वास्तविक खतरा है'; तो ऐसे विषय तथ्य और विश्लेषण दोनों की अपेक्षा रखते हैं। हालाँकि, यहाँ एक बात स्पष्ट रूप से समझ लेनी चाहिए कि निबंध तथ्यों का कोरा संकलन मात्र न होकर, सूचना, भाषा, अभिव्यक्ति, विश्लेषण तथा ज्ञान का सामंजस्य है।

आखिर, निबंध की तैयारी कैसे की जाए? मुख्य परीक्षा की तैयारी करने वाले उम्मीदवारों के लिए यह एक महत्त्वपूर्ण प्रश्न है। एक अच्छा निबंध एक-दो पुस्तकें पढ़ लेने या कोई फॉर्मूला जान लेने से नहीं बल्कि विषय की गंभीर समझ और निरंतर अभ्यास द्वारा ही लिखा जा सकता है। साथ ही, हमें यह भी समझ लेना चाहिए कि मुख्य परीक्षा में पास होने के साथ-साथ एक अच्छा निबंध आपके अंतिम चयन में भी निर्णायक भूमिका निभा सकता है, क्योंकि पूरी परीक्षा में यही एक विषय है जहाँ आप अपनी रचनात्मकता और मौलिकता के दम पर बाकी उम्मीदवारों से आगे निकल सकते हैं।

## वैकल्पिक विषय का चयन कैसे करें ?

### सिविल सेवा परीक्षा में वैकल्पिक विषय के चयन का आधार क्या होना चाहिए?

अगर आप सिविल सेवा मुख्य परीक्षा का पाठ्यक्रम देखेंगे तो उसमें 26 वैकल्पिक विषयों की सूची दी गई है। सिविल सेवा परीक्षा में शामिल होने वाले हर उम्मीदवार को इस सूची में दिए गए विषयों में से किसी एक का चयन करना होता है। जो उम्मीदवार प्रारंभिक परीक्षा पास करके मुख्य परीक्षा में शामिल होते हैं, उन्हें सामान्य अध्ययन एवं निबंध के साथ-साथ वैकल्पिक विषय की परीक्षा भी देनी होती है।

अगर सिविल सेवा परीक्षा के लिए चयनित उम्मीदवारों की रैंक और सेवा वितरण को समझने का प्रयास करें तो विगत कई वर्षों के अध्ययन से एक सामान्य बात निकलकर सामने आती है, वह यह कि अंतिम रूप से चयनित होने में 1-1 अंक का बहुत महत्त्व है, बल्कि अंतिम स्थान पर चयनित उम्मीदवार और उससे कम अंक वाले फेल उम्मीदवार के बीच का फासला बमुश्किल 10 अंकों का होता है। इसलिए हर उम्मीदवार की कोशिश सभी प्रश्नपत्रों में अधिक-से-अधिक अंक प्राप्त करने की रहती है।

अंकों की दृष्टि से देखें तो सिविल सेवा परीक्षा पास करने में सबसे बड़ी भूमिका सामान्य अध्ययन की है। सामान्य अध्ययन में 250-250 अंकों के चार प्रश्नपत्र शामिल होते हैं। इस तरह इसकी कुल भूमिका 1000 अंकों की है, यानी मुख्य परीक्षा में लगभग 57 फीसदी अंकों का फैसला सामान्य अध्ययन के प्रश्नपत्रों में किए गए प्रदर्शन से तय होता है। इसके बाद वैकल्पिक विषय का स्थान आता है। पूरे सिविल सेवा परीक्षा पाठ्यक्रम में वैकल्पिक विषय ही एकमात्र प्रश्नपत्र है, जिसके चयन को लेकर उम्मीदवारों के बीच बहुत अधिक संशय और दुविधा की स्थिति रहती है। इसकी वजह है कि सामान्य अध्ययन और निबंध की तरह वैकल्पिक विषय की प्रकृति अनिवार्य नहीं होती, बल्कि 26 विषयों में से किसी एक का चयन करना होता है। इस तरह, यही एकमात्र विषय है जिसका चयन हर उम्मीदवार अपनी मर्ज़ी से करता है।

#### *वैकल्पिक विषय के चयन के संबंध में प्रचलित भ्रांतियाँ*

कौन सा वैकल्पिक विषय अच्छा है और क्यों अच्छा है, इसे लेकर सिविल सेवा परीक्षार्थियों के बीच कई तरह की धारणाएँ प्रचलित हैं, जैसे-

- हिंदी माध्यम के लिए साहित्य के विषय, जैसे हिंदी साहित्य, संस्कृत साहित्य इत्यादि सबसे बेहतर विकल्प हैं।
- मानविकी (Humanities) के विषयों की तुलना में विज्ञान के विषय अधिक अंकदायी होते हैं। इसी कारण, इंजीनियरिंग और चिकित्सा विज्ञान (Medical Science) की अकादमिक पृष्ठभूमि वाले उम्मीदवारों का चयन अधिक संख्या में होता है।
- उच्च डिग्री स्तर पर किसी विषय की पढ़ाई करने वाले उम्मीदवारों को उस विषय में नए उम्मीदवारों की तुलना में अधिक अंक प्राप्त होते हैं।

इसी तरह की अनेक धारणाएँ हैं जो अलग-अलग कारणों से प्रचलित हैं। हालाँकि धारणाएँ तो हर पेशे के संबंध में प्रचलित होती हैं लेकिन अगर धारणा की वजह से लोगों के सपने दाँव पर लग जाएँ, समय और धन की अनावश्यक बर्बादी हो तो अवश्य ही ऐसी धारणाओं को तोड़ने की हरसंभव कोशिश करनी चाहिए।

शुरुआत में ही इस बात की चर्चा की गई है कि मुख्य परीक्षा में वैकल्पिक विषय की भूमिका 500 अंकों की है। साथ ही, यह बात भी सत्य है कि सिविल सेवा परीक्षा में बिना बेहतर लेखन के एक अंक भी अधिक प्राप्त नहीं किया जा सकता। जैसा कि विश्वविद्यालय स्तर की परीक्षाओं के संबंध में मान्यता होती है कि जितना अधिक लिखोगे, उतने अच्छे अंक प्राप्त होंगे। सिविल सेवा परीक्षा के संबंध में यह बात एकदम लागू नहीं होती।

वैकल्पिक विषय का चयन करते समय किसी भी उम्मीदवार को किन बातों पर ध्यान देना चाहिए। इसका निर्णय करने के लिए कुछ आधार हैं, जिनकी चर्चा आगे की गई है।

### *सेलेक्शन की दृष्टि से वह विषय कितना सुरक्षित है?*

किसी भी विषय के चयन का एक महत्त्वपूर्ण आधार है, विगत वर्षों में उस विषय से कितने उम्मीदवार सफल हुए हैं। इसे जानने का तरीका क्या हो सकता है? इसका सबसे प्रामाणिक स्रोत है, यूपीएससी की वार्षिक रिपोर्ट। आगे दी गई दोनों तालिकाओं में विगत एक दशक में विभिन्न वैकल्पिक विषयों से मुख्य परीक्षा में शामिल और सेलेक्टेड कैंडिडेट्स की संख्या दी गई है।

**तालिका-1**

**वैकल्पिक विषय से सिविल सेवा (मुख्य) परीक्षा में शामिल एवं उत्तीर्ण उम्मीदवार**

| वर्ष | इतिहास | | भूगोल | | राजनीति विज्ञान | | दर्शनशास्त्र | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | परीक्षा में शामिल | परीक्षा में उत्तीर्ण | परीक्षा में शामिल | परीक्षा में उत्तीर्ण | परीक्षा में शामिल | परीक्षा में उत्तीर्ण | परीक्षा में शामिल | परीक्षा में उत्तीर्ण |
| 2011 | 1761 | 150 | 4096 | 313 | 866 | 84 | 900 | 74 |
| 2012 | 2090 | 174 | 4351 | 314 | 1107 | 121 | 1116 | 99 |
| 2013 | 1303 | 100 | 3158 | 178 | 651 | 40 | 736 | 58 |
| 2014 | 1560 | 102 | 3515 | 255 | 907 | 57 | 908 | 64 |
| 2015 | 1821 | 102 | 3391 | 115 | 989 | 68 | 847 | 47 |
| 2016 | 1427 | 60 | 3427 | 203 | 1218 | 107 | 847 | 44 |
| 2017 | 1074 | 59 | 2669 | 147 | 1246 | 117 | 755 | 53 |
| 2018 | 848 | 52 | 1993 | 101 | 1317 | 105 | 463 | 42 |
| 2019 | 751 | 51 | 1916 | 105 | 1662 | 137 | 439 | 27 |
| 2020 | 581 | 24 | 1322 | 95 | 1863 | 154 | 347 | 20 |

**तालिका-2**

**वैकल्पिक विषय (साहित्य) से सिविल सेवा (मुख्य) परीक्षा में शामिल एवं उत्तीर्ण उम्मीदवार**

| वर्ष | उर्दू | | पंजाबी | | संस्कृत | | मैथिली | | गुजराती | | अंग्रेज़ी | | हिंदी | | मलयालम | | कन्नड़ | | तमिल | | तेलुगू | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | शामिल | उत्तीर्ण | शामिल | उत्तीर्ण | शामिल | उत्तीर्ण | शामिल | उत्तीर्ण | शामिल | उत्तीर्ण | शामिल | उत्तीर्ण | शामिल | उत्तीर्ण | शामिल | उत्तीर्ण | शामिल | उत्तीर्ण | शामिल | उत्तीर्ण | शामिल | उत्तीर्ण |
| 2013 | 28 | 5 | 54 | 6 | 71 | 4 | 84 | 9 | 64 | 8 | 30 | 5 | 26 | 1 | 69 | 6 | 75 | 9 | 75 | 8 | 93 | 4 |
| 2014 | 31 | 6 | 61 | 4 | 90 | 9 | 95 | 14 | 87 | 12 | 33 | 3 | 407 | 22 | 65 | 7 | 132 | 14 | 95 | 14 | 122 | 13 |
| 2015 | 41 | 2 | 52 | 6 | 109 | 7 | 106 | 13 | 108 | 4 | 21 | 2 | 428 | 12 | 65 | 5 | 117 | 12 | 93 | 20 | 132 | 12 |
| 2016 | 30 | 1 | 46 | 2 | 80 | 12 | 99 | 4 | 131 | 4 | 21 | 1 | 288 | 36 | 90 | 11 | 154 | 24 | 115 | 9 | 114 | 8 |
| 2017 | 26 | 5 | 39 | 6 | 70 | 5 | 78 | 5 | 101 | 8 | 21 | 2 | 267 | 19 | 111 | 8 | 115 | 4 | 102 | 5 | 72 | 1 |
| 2018 | 16 | 3 | 19 | 3 | 54 | 2 | 41 | 1 | 91 | 6 | 21 | 3 | 236 | 15 | 85 | 9 | 79 | 4 | 73 | 8 | 57 | 3 |
| 2019 | 18 | 2 | 18 | 1 | 53 | 2 | 53 | 2 | 85 | 3 | 21 | 3 | 191 | 13 | 105 | 13 | 124 | 17 | 177 | 5 | 32 | 1 |
| 2020 | 11 | 1 | 25 | 3 | 39 | 1 | 31 | 3 | 49 | 4 | 27 | 6 | 226 | 19 | 93 | 10 | 83 | 7 | 64 | 4 | 36 | 5 |

उपर्युक्त तालिकाओं को देखकर स्पष्ट हो जाता है कि इतिहास, भूगोल, राजनीति विज्ञान और दर्शनशास्त्र से सफल होने वाले उम्मीदवारों की संख्या साहित्य के विषयों की अपेक्षा बहुत अधिक है। साथ ही, अगर हिंदी माध्यम के उम्मीदवारों द्वारा चुने जाने वाले साहित्य के विषयों की बात करें तो हिंदी साहित्य और संस्कृत साहित्य से सफल उम्मीदवारों की संख्या से आप अनुमान लगा सकते हैं कि इस धारणा में कितनी सच्चाई है कि साहित्य के विषय के साथ सफल होने की संभावना सबसे अधिक होती है। अगर इसी तथ्य की तुलना अंग्रेज़ी माध्यम के संदर्भ में की जाए तो तस्वीर और भी साफ हो जाती है। उपर्युक्त तालिका में अंग्रेज़ी साहित्य से परीक्षा में शामिल और पास होने वाले उम्मीदवारों की संख्या पर ध्यान दें तो साफ तौर पर समझ आता है कि अंग्रेज़ी माध्यम के उम्मीदवारों के बीच ऐसी कोई मिथ्या धारणा प्रचलित नहीं है, क्योंकि हिंदी साहित्य और अंग्रेज़ी साहित्य के साथ परीक्षा में बैठने वाले उम्मीदवारों की तुलना करें तो दोनों में बहुत अंतर है। एक बात और, किसी भी अन्य भाषा साहित्य की अपेक्षा हिंदी से परीक्षा में शामिल होने वाले उम्मीदवारों की संख्या बहुत अधिक है, जबकि परिणाम के मामले में इतना बड़ा अंतर नहीं है। उदाहरण के लिए, वर्ष 2015 में हिंदी साहित्य से 428 उम्मीदवार परीक्षा में शामिल हुए, इनमें से 12 ने परीक्षा पास की। इसी वर्ष तेलुगू साहित्य से 132 लोगों ने परीक्षा दी और उसमें से भी 12 पास हुए।

*अत: यूपीएससी की रिपोर्ट के आधार पर देखें तो इस बात में कोई सच्चाई नहीं है कि हिंदी माध्यम के लिए साहित्य के विषय बेहतर हैं।*

## संपूर्ण तैयारी में उस विषय की कितनी भूमिका है?

देखा जाए तो मुख्य परीक्षा में वैकल्पिक विषय की भूमिका 500 अंकों की होती है। किंतु बात यहीं खत्म नहीं हो जाती; कई विषय ऐसे भी हैं जो न सिर्फ वैकल्पिक विषय के रूप में महत्त्वपूर्ण और अंकदायी होते हैं, बल्कि सामान्य अध्ययन और निबंध के प्रश्नपत्रों की तैयारी में भी बड़ी भूमिका निभाते हैं, उदाहरण के लिए- इतिहास, भूगोल, राजनीति विज्ञान, दर्शनशास्त्र और समाजशास्त्र। इनमें भी प्रथम तीन विषय न सिर्फ मुख्य परीक्षा में, बल्कि प्रारंभिक परीक्षा में भी समान रूप से उपयोगी हैं। आप किसी भी वर्ष के प्रारंभिक परीक्षा के प्रश्नपत्र को देख लीजिये; इतिहास, भूगोल और राजव्यवस्था खंडों से लगभग 70 फीसदी प्रश्न पूछे जाते हैं। यानी, प्रारंभिक परीक्षा में इनमें से प्रत्येक विषय से लगभग 20 से 25 फीसदी प्रश्न पूछे जाते हैं। इस तरह, ऐसे उम्मीदवार जिन्होंने वैकल्पिक विषय के रूप में इतिहास, भूगोल और राजनीति विज्ञान में से किसी का चयन किया है, उन्हें निम्नलिखित तीन स्तरों पर सीधे तौर पर फायदा होता है :

- प्रारंभिक परीक्षा में (लगभग 20-25 प्रतिशत)
- मुख्य परीक्षा में वैकल्पिक विषय से इतर
  - इतिहास (सामान्य अध्ययन, प्रश्नपत्र-1); भूगोल (सामान्य अध्ययन, प्रश्नपत्र-1 और 3); राजनीति विज्ञान (सामान्य अध्ययन, प्रश्नपत्र-2) तथा निबंध प्रश्नपत्र।
- वैकल्पिक विषय के रूप में

सिविल सेवा परीक्षा में वैकल्पिक विषय की भूमिका को ठीक से समझने के लिए थोड़ा पीछे जाकर चर्चा करनी होगी। वर्ष 2011 से पूर्व जब प्रारंभिक परीक्षा में सीसैट पेपर की जगह एक वैकल्पिक विषय होता था और मुख्य परीक्षा में दो वैकल्पिक विषय होते थे, उस समय तक हिंदी माध्यम का परीक्षा परिणाम हमेशा अच्छा रहता था। इसका कारण था, अधिकांश उम्मीदवार मुख्य परीक्षा के दो वैकल्पिक विषयों में से एक को प्रारंभिक परीक्षा में भी रखते थे। उस समय जो उम्मीदवार वैकल्पिक विषयों के रूप में इतिहास, भूगोल और राजनीति विज्ञान का चयन करते थे, उनके लिए ये विषय प्रारंभिक परीक्षा में न सिर्फ वैकल्पिक विषय वाले प्रश्नपत्र में बल्कि सामान्य अध्ययन में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते थे। साथ ही, मुख्य परीक्षा में भी वैकल्पिक विषय के साथ-साथ सामान्य अध्ययन के प्रश्नपत्रों में भी अच्छा प्रदर्शन होने की संभावना होती थी क्योंकि मुख्य परीक्षा में भी दोनों वैकल्पिक विषयों के रूप में अधिकांश उम्मीदवार इतिहास, भूगोल और राजनीति विज्ञान का ही चयन करते थे। इसका प्रमाण यह है कि यदि आप वर्ष 2011 से पहले मुख्य परीक्षा में वैकल्पिक विषयों के साथ सफल उम्मीदवारों की संख्या को देखें तो 70 फीसदी से अधिक उम्मीदवार इन्हीं तीन वैकल्पिक विषयों के साथ परीक्षा में शामिल होते थे।

यही कारण है कि वर्ष 2011 तक साहित्य के विषयों के साथ परीक्षा देने वाले उम्मीदवारों की संख्या बहुत कम होती थी। इसकी एकमात्र वजह यह थी कि साहित्य के विषय प्रारंभिक परीक्षा में शामिल नहीं थे। इसलिए, उम्मीदवार इतिहास, भूगोल और राजनीति विज्ञान में से किन्हीं दो का चयन इसलिए करते थे क्योंकि ये प्रारंभिक एवं मुख्य परीक्षा में सामान्य अध्ययन में भी समान रूप से उपयोगी थे।

ऐसा नहीं है कि प्रारंभिक परीक्षा में वैकल्पिक विषय की जगह सीसैट आ जाने से इन विषयों की भूमिका कम हो गई है। चूँकि सीसैट पेपर क्वालीफाइंग प्रकृति का है, इसलिए मेरिट का निर्धारण सामान्य अध्ययन के आधार पर ही होता है और सामान्य अध्ययन में (प्रारंभिक एवं मुख्य परीक्षा दोनों) इन तीनों विषयों की महत्त्वपूर्ण भूमिका है। अगर ऊपर दी गई तालिकाओं को देखें तो साफ तौर पर समझ सकते हैं कि वर्ष 2011 के बाद भी इन्हीं तीन विषयों के साथ सफल होने वाले उम्मीदवारों की संख्या सबसे अधिक है।

*इसलिए, वैकल्पिक विषय का चयन करते समय ध्यान रखें कि वह विषय मुख्य परीक्षा के साथ-साथ प्रारंभिक परीक्षा में भी उपयोगी हो; बिना प्रारंभिक परीक्षा पास किए आप मुख्य परीक्षा में शामिल नहीं हो सकते।*

## क्या वह विषय आपकी रुचि का है?

वैकल्पिक विषय का चयन करते समय इस बात को भी पर्याप्त महत्त्व दिया जाना आवश्यक है कि आप जिस विषय का चयन कर रहे हैं, वह आपकी रुचि का हो। अगर किसी की बातों में आकर आपने ऐसे विषय

का चयन कर लिया जो आपकी रुचि के अनुरूप नहीं है तो आपके लिए उस विषय में अच्छे अंक लाना मुश्किल हो जाएगा। साथ ही, इस निर्णय के प्रति भी आप व्यक्तिगत स्तर पर कभी पूरी तरह से आश्वस्त नहीं हो सकेंगे। उदाहरण के लिए, प्राय: विज्ञान अथवा इंजीनियरिंग की अकादमिक पृष्ठभूमि वाले अथवा ऐसे उम्मीदवार जिनकी रुचि गल्प साहित्य और कविताओं में नहीं है, सिर्फ इस आधार पर साहित्य के विषय का चयन कर लें कि अमुक सेलेक्टेड कैंडिडेट ने साहित्य के विषय से परीक्षा पास की है तो उसके लिए यह निर्णय निराशाजनक परिणाम वाला हो सकता है, क्योंकि साहित्य में सिर्फ कहानियाँ और उपन्यास नहीं होते, एक बड़ा खंड उस भाषा साहित्य के व्याकरण का भी होता है। यह बिना साहित्यिक पृष्ठभूमि अथवा रुचि वाले व्यक्ति के लिए उसी तरह है, जैसे मानविकी की अकादमिक पृष्ठभूमि वाले अधिकांश विद्यार्थियों के लिए मैथ्स, फिजिक्स और केमिस्ट्री।

*ध्यान रखें, आप जिस विषय का चयन करने जा रहे हैं, उसका अंकदायी होना अपनी जगह है; परंतु बिना रुचि वाले विषय का चयन करने से बचना चाहिए क्योंकि प्राय: सेलेक्शन से पहले डेढ़-दो साल तक आपको उस विषय की तैयारी करनी होती है। अत: उसी विषय का चयन करें, जिसे पढ़ने में आपकी रुचि हो।*

### *क्या उस विषय की पढ़ाई आपने अकादमिक स्तर पर की है?*

सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी करने वाले उम्मीदवारों के बीच ऐसी मान्यता है कि वैकल्पिक विषय के रूप में ऐसे विषय का चयन करना चाहिए, जिसकी पढ़ाई अकादमिक स्तर पर की हो तो उसमें अच्छे अंक लाने की संभावना अधिक होती है। किंतु इस बात को सिर्फ आधा ही सच माना जा सकता है।

**तालिका-3**

| वैकल्पिक विषय के संकाय के अनुसार उम्मीदवारों का सफलता प्रतिशत | | | | |
|---|---|---|---|---|
| **वर्ष** | **मानविकी** | **विज्ञान** | **मेडिकल साइंस** | **इंजीनियरिंग** |
| **2013** | **87.4%** | **5.7%** | **4.7%** | **2.2%** |
| **2014** | **87%** | **5.4%** | **5.5%** | **2.1%** |
| **2015** | **84%** | **7.2%** | **6.1%** | **2.7%** |
| **2016** | **84.7%** | **6.8%** | **5.4%** | **3.1%** |
| **2017** | **85.5%** | **6.6%** | **3.2%** | **4.7%** |
| **2018** | **85.1%** | **7.9%** | **3.1%** | **3.9%** |
| **2019** | **82.6%** | **9.6%** | **3.1%** | **4.7%** |
| **2020** | **85.1%** | **7.3%** | **2.1%** | **5.5%** |
| **उपर्युक्त तालिका से स्पष्ट होता है कि प्रत्येक वर्ष 85% से अधिक उम्मीदवारों ने वैकल्पिक विषय के रूप में मानविकी के विषयों का चयन किया है। इससे यह तथ्य सामने आता है कि मुख्य परीक्षा देने वाले अधिकांश उम्मीदवारों ने अपनी अकादमिक पृष्ठभूमि वाले विषयों (विज्ञान, मेडिकल साइंस और इंजीनियरिंग) को छोड़कर मानविकी के विषयों को चुना।** | | | | |

ऊपर जो तालिका दी गई है, उसमें 8 वर्षों (वर्ष 2013-20) के दौरान विभिन्न संकायों के वैकल्पिक विषयों के साथ उम्मीदवारों का सफलता प्रतिशत दिखाया गया है।

इस तालिका के अंत में जो नोट लिखा है, उसकी भाषा इस प्रकार है- उपर्युक्त तालिका से स्पष्ट होता है कि प्रत्येक वर्ष मुख्य परीक्षा में शामिल होने वाले अधिकांश उम्मीदवारों ने अपनी अकादमिक पृष्ठभूमि वाले विषयों (विज्ञान, मेडिकल साइंस और इंजीनियरिंग) को छोड़कर, वैकल्पिक विषय के रूप में मानविकी के विषयों का चयन किया। तालिका में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि इन 8 वर्षों में हर साल 85 प्रतिशत से अधिक उम्मीदवारों ने वैकल्पिक विषय के रूप में मानविकी के विषय का चयन किया।

इस रिपोर्ट के अनुसार मानविकी के विषय सिविल सेवा परीक्षा में अच्छे वैकल्पिक विषय साबित होते हैं। साथ ही, जिन उम्मीदवारों की अकादमिक पृष्ठभूमि मानविकी की है, वे अपनी रुचि के अनुसार ऐसे विषय का चयन कर सकते हैं जो सामान्य अध्ययन की तैयारी में भी मददगार हो क्योंकि बिना सामान्य अध्ययन की अच्छी तैयारी के प्रारंभिक परीक्षा पास नहीं की जा सकती।

*अत: यदि आपकी अकादमिक पृष्ठभूमि विज्ञान, मेडिकल साइंस या इंजीनियरिंग की है जो ज़रूरी नहीं कि आप अपनी पृष्ठभूमि वाले विषय का चयन वैकल्पिक विषय के रूप में करें। ऐसे उम्मीदवार लेख में बताए गए आधारों पर मानविकी के विषय का चयन करके सफलता अर्जित कर सकते हैं।*

### *क्या उस विषय में अच्छा मार्गदर्शन और अच्छी अध्ययन सामग्री उपलब्ध हैं?*

यह बात हर उस कला-कौशल के संदर्भ में लागू होती है, जिसमें हम अपने आप को बेहतर करना चाहते हैं क्योंकि अच्छा मार्गदर्शन मिलने से राह आसान हो जाती है। सिविल सेवा परीक्षा जैसी प्रतियोगी परीक्षा के लिए यह बात और भी अधिक प्रासंगिक हो जाती है।

प्राय: ऐसा देखा जाता है कि अकादमिक स्तर पर किसी विषय की पढ़ाई करने के बावजूद, सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के लिए उम्मीदवार उस विषय की कोचिंग भी लेते हैं। ऐसा क्यों होता है? लेख की शुरुआत में ही इसकी चर्चा की गई है कि अकादमिक स्तर पर प्राय: ऐसी मान्यता होती है कि आप जितना अधिक लिखेंगे, उतने अच्छे अंक प्राप्त होने की संभावना रहती है। परंतु, सिविल सेवा परीक्षा में ऐसी कोई भी मान्यता एकदम निराधार हो जाती है क्योंकि इसके लिए आपको बहुत गहनता और विस्तार से पढ़ाई करनी होती है। साथ ही, परीक्षा में पूछे जाने वाले हर प्रश्न का उत्तर बहुत ही सटीकता और स्पष्टता से देना होता है। इसलिए, अच्छे मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है ताकि परीक्षा की मांग के अनुरूप बेहतर तैयारी हो सके।

दूसरी बात पर आएँ तो वह भी समान रूप से महत्त्वपूर्ण है। यदि आप ऐसे वैकल्पिक विषय का चयन करते हैं, जिसके लिए अच्छी अध्ययन सामग्री उपलब्ध नहीं है तो कोई भी उम्मीदवार अच्छी तैयारी की उम्मीद नहीं कर सकता। ध्यान रखें, आपके साथी प्रतियोगी अपनी बेहतर तैयारी के साथ ही परीक्षा में बैठते हैं। ऐसे में, यदि आप सौ फीसदी अच्छी तैयारी के साथ परीक्षा में नहीं बैठेंगे तो बेहतर परिणाम की उम्मीद कैसे कर सकेंगे।

निष्कर्षत: सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के लिए किसी भी उम्मीदवार को वैकल्पिक विषय का चयन करते समय इन बातों पर विचार अवश्य करना चाहिए।

ऐसे करें वैकल्पिक विषय का चयन-

- जिसमें सफल होने की संभावना अधिकतम हो;
- जो सामान्य अध्ययन, विशेष रूप से प्रारंभिक परीक्षा में भी मददगार हो;
- जिसमें आपकी रुचि भी हो;
- प्राय: मानविकी के विषयों की सफलता दर काफी अधिक है। विज्ञान, मेडिकल साइंस और इंजीनियरिंग की अकादमिक पृष्ठभूमि वाले उम्मीदवार ऊपर बताए गए आधारों पर अपने लिए उपयुक्त विषय का चयन कर सकते हैं;
- जिसकी तैयारी के लिए अच्छा शिक्षक और अध्ययन सामग्री उपलब्ध हो।

## साक्षात्कार

साक्षात्कार सिविल सेवा परीक्षा का तीसरा एवं अंतिम चरण है। इस चरण में मुख्य परीक्षा में सफल उम्मीदवारों के व्यक्तित्व का परीक्षण किया जाता है। इसमें उम्मीदवारों की सत्यनिष्ठा, मानसिक सतर्कता, तार्किक विश्लेषण क्षमता, सामाजिक सामंजस्य कौशल और नेतृत्व क्षमता के गुणों को जाँचा-परखा जाता है। वस्तुत: सिविल सेवा परीक्षा एक उम्मीदवार की निर्णय क्षमता, अभिव्यक्ति कौशल और व्यक्तित्व की समग्र परीक्षा है। प्रारंभिक एवं मुख्य परीक्षा की प्रकृति से भिन्न, साक्षात्कार में बोर्ड के सदस्यों द्वारा उम्मीदवार से मौखिक प्रश्न पूछे जाते हैं, जिनका उत्तर उम्मीदवार को मौखिक रूप से ही देना होता है। साथ ही, प्रारंभिक और मुख्य परीक्षा की तरह साक्षात्कार का कोई निश्चित पाठ्यक्रम भी नहीं होता है, अत: इसमें पूछे जाने वाले प्रश्नों का दायरा व्यापक होता है। सिविल सेवा परीक्षा में उम्मीदवारों के चयन की अंतिम सूची मुख्य परीक्षा और साक्षात्कार के अंकों के योग के आधार पर तैयार की जाती है। हालाँकि, मुख्य परीक्षा के अंकों (1750 अंक) की तुलना में साक्षात्कार के अंकों (275) का भारांश कम अवश्य है, लेकिन अंतिम चयन में साक्षात्कार के अंकों की विशेष भूमिका होती है।

साक्षात्कार में पूछे जाने वाले प्रश्नों की प्रकृति और उनके दायरे का अवलोकन करें तो एक बात स्पष्ट रूप से कही जा सकती है, सिविल सेवा परीक्षा का यह चरण ऐसा है जिसकी तैयारी प्रारंभिक एवं मुख्य परीक्षा की तरह एक-दो वर्ष की निर्धारित समयावधि में नहीं की जा सकती है। चूँकि साक्षात्कार किसी भी उम्मीदवार के व्यक्तित्व का परीक्षण है, अत: व्यावहारिक रूप से इसकी तैयारी जीवन के शुरुआती दौर में ही शुरू हो जाती है, क्योंकि व्यक्तित्व का निर्माण एक-दो वर्षों में नहीं होता है। घर-परिवार, आस-पड़ोस, स्कूल और कॉलेज में उम्मीदवार को मिले अनुभव और अवसर व्यक्तित्व निर्माण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हालाँकि, इसका यह अर्थ नहीं है कि एक निश्चित समयावधि में व्यक्तित्व को बेहतर तरीके से निखारा नहीं जा सकता है। सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के दौरान उम्मीदवार को विभिन्न प्रकार की व्यावहारिक चुनौतियों, भावनात्मक द्वंद्वों और निर्णय संबंधी परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। इसलिए, अगर इस समय-काल में व्यक्तित्व विकास पर ध्यान दिया जाए तो व्यक्तित्व को और बेहतर बनाया जा सकता है।

यह बात तय है कि उम्मीदवार के व्यक्तित्त्व का विकास जिस स्तर पर हुआ है, अगर वह योजनाबद्ध और व्यवस्थित तैयारी करेगा तो अपने स्तर पर सामान्यत: मिलने वाले अंकों में कुछ अंकों का इज़ाफा तो कर ही सकता है। उदाहरण के लिए, यदि उम्मीदवार का व्यक्तित्त्व अत्यंत विकसित है और बिना तैयारी के वह 275 में से 175-180 अंक लाने की काबिलियत रखता है तो यह निश्चित है कि रणनीति बनाकर तैयारी करने पर वह 190-210 अंकों की परिधि को छू सकता है। चूँकि सिविल सेवा परीक्षा में अंतिम चयन और पद-निर्धारण में एक-एक अंक की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है, अत: इस आधार पर साक्षात्कार की तैयारी को नज़रअंदाज़ करना रणनीतिक भूल होगी।

❑❑❑

# यू.पी.पी.सी.एस. (UPPCS)

## तीन चरणीय परीक्षा प्रथम चरण (वस्तुनिष्ठ) प्रारंभिक परीक्षा

### प्रश्नपत्र-I

**सामान्य अध्ययन ( 200 अंक )**

**सामान्य अध्ययन पाठ्यक्रम**

- इतिहास
- राजव्यवस्था
- अर्थव्यवस्था
- भूगोल
- पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी
- सामान्य विज्ञान
- उत्तर प्रदेश विशेष
- जनसंख्या एवं नगरीकरण
- समसामयिकी

### प्रश्नपत्र-II

**सीसैट ( 200 अंक )**

**सिविल सर्विसेज़ एप्टीट्यूड टेस्ट (CSAT) पाठ्यक्रम**

- कॉम्प्रिहेन्सन (विस्तारीकरण)
- अंतर्वैयक्तिक क्षमता जिसमें संप्रेषण कौशल भी समाहित होगा
- तार्किक एवं विश्लेषणात्मक योग्यता
- निर्णय क्षमता एवं समस्या समाधान
- सामान्य बौद्धिक योग्यता
- प्रारंभिक गणित हाईस्कूल स्तर तक
- सामान्य अंग्रेज़ी
- सामान्य हिंदी

## द्वितीय चरण (लिखित परीक्षा) मुख्य परीक्षा

| सामान्य हिंदी | निबंध | प्रश्नपत्र-I | प्रश्नपत्र-II | प्रश्नपत्र-III | प्रश्नपत्र-IV | प्रश्नपत्र-V | प्रश्नपत्र-VI |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (150 अंक) | (150 अंक) | सामान्य अध्ययन (200 अंक) | सामान्य अध्ययन (200 अंक) | सामान्य अध्ययन (200 अंक) | सामान्य अध्ययन (200 अंक) | सामान्य अध्ययन (200 अंक) | सामान्य अध्ययन (200 अंक) |

**नोट :** वैकल्पिक विषय को समाप्त करके आयोग ने सामान्य अध्ययन में प्रश्नपत्र-V और VI को शामिल किया है, जो उ०प्र० विशेष से संबंधित हैं।

**तृतीय चरण**

व्यक्तित्व परीक्षण– 100 अंक

| | | |
|---|---|---|
| व्यक्तित्व परीक्षण | – | 100 अंक |
| लिखित परीक्षा कुल प्राप्तांक | – | 1500 अंक |
| कुल योग | – | 1600 अंक |

नोट: प्रत्येक प्रश्न के लिए दिए गए एक गलत उत्तर के लिए प्रश्न हेतु नियत किए गए अंकों का एक-तिहाई दंड के रूप में (2018 से) काटने का प्रावधान है।

## प्रारंभिक परीक्षा पाठ्यक्रम

### सामान्य अध्ययन (प्रश्नपत्र-I)

- राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय महत्व की सामयिक घटनायें
- भारत का इतिहास एवं भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन
- भारत एवं विश्व का भूगोल- भारत एवं विश्व का भौतिक, सामाजिक एवं आर्थिक भूगोल
- भारतीय राजनीति एवं शासन- संविधान, राजनीतिक व्यवस्था, पंचायती राज, लोकनीति, अधिकारिक मुद्दे (राइट्स इश्यूज) आदि
- आर्थिक एवं सामाजिक विकास-सतत विकास, गरीबी, अन्तर्विष्ट जनसांख्यिकीय, सामाजिक क्षेत्र के इनिशियेटिव आदि
- पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी सम्बन्धी सामान्य विषय, जैव विविधता एवं जलवायु परिवर्तन इस विषय में विषय विशेषज्ञता की आवश्यकता नहीं है
- सामान्य विज्ञान

- **राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय महत्व की सामयिक घटनायें :** राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय महत्व की समसामयिक घटनाओं पर अभ्यर्थियों को जानकारी रखनी होगी।
- **भारत का इतिहास एवं भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन :** इतिहास के अन्तर्गत भारतीय इतिहास के सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक पक्षों की व्यापक जानकारी पर विशेष ध्यान देना होगा। भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन पर अभ्यर्थियों से स्वतंत्रता आंदोलन की प्रकृति तथा विशेषता, राष्ट्रवाद का अभ्युदय तथा स्वतंत्रता प्राप्ति के बारे में सामान्य जानकारी अपेक्षित है।
- **भारत एवं विश्व का भूगोल :** भारत एवं विश्व का भौतिक, सामाजिक एवं आर्थिक भूगोल: विश्व भूगोल में विषय की केवल सामान्य जानकारी की परख होगी। भारत का भूगोल के अन्तर्गत देश के भौतिक, सामाजिक एवं आर्थिक भूगोल से सम्बन्धित प्रश्न होंगे।
- **भारतीय राजनीति एवं शासन-संविधान, राजनीतिक व्यवस्था, पंचायती राज, लोकनीति, आधिकारिक प्रकरण आदि :** भारतीय राज्य व्यवस्था, अर्थव्यवस्था एवं संस्कृति के अन्तर्गत देश के पंचायती राज तथा सामुदायिक विकास सहित राजनीतिक प्रणाली के ज्ञान तथा भारत की आर्थिक नीति के व्यापक लक्षणों एवं भारतीय संस्कृति की जानकारी पर प्रश्न होंगे।
- **आर्थिक एवं सामाजिक विकास- सतत विकास, गरीबी अन्तर्विष्ट जनसांख्यिकीय, सामाजिक क्षेत्र के इनिशियेटिव आदि :** अभ्यर्थियों की जानकारी का परीक्षण जनसंख्या, पर्यावरण तथा नगरीकरण की समस्याओं तथा उनके सम्बन्धों के परिप्रेक्ष्य में किया जायेगा।
- **पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी सम्बन्धी सामान्य विषय जैव विविधता एवं जलवायु परिवर्तन :** इस विषय में विषय विशेषज्ञता की आवश्यकता नहीं है। अभ्यर्थियों से विषय की सामान्य जानकारी अपेक्षित है।
- **सामान्य विज्ञान :** सामान्य विज्ञान के प्रश्न दैनिक अनुभव तथा प्रेक्षण से सम्बन्धित विषयों सहित विज्ञान के सामान्य परिबोध एवं जानकारी पर आधारित होंगे, जिसकी किसी भी सुशिक्षित व्यक्ति से अपेक्षा की जा सकती है, जिसने वैज्ञानिक विषयों का विशेष अध्ययन नहीं किया है।

**नोट:** अभ्यर्थियों से यह अपेक्षित होगा कि उत्तर प्रदेश के विशेष परिप्रेक्ष्य में उपर्युक्त विषयों का उन्हें सामान्य परिचय हो।

## 2012 से 2023 तक प्रारंभिक परीक्षा में सामान्य अध्ययन के विभिन्न खंडों से पूछे गए प्रश्नों का ट्रेंड एनालिसिस

| वर्ष (Year) | भारतीय इतिहास, कला एवं संस्कृति | भारत एवं विश्व का भूगोल | पर्यावरण, जनसंख्या एवं नगरीकरण | भारतीय राजव्यवस्था एवं शासन | सामान्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी | भारतीय अर्थव्यवस्था, कृषि, वाणिज्य एवं व्यापार | उत्तर प्रदेश विशेष | समसामयिक मुद्दे | विविध | कुल |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **2023** | 25 | 23 | 17 | 24 | 12 | 6 | 5 | 31 | 7 | 150 |
| **2022** | 22 | 26 | 5 | 11 | 24 | 15 | 5 | 25 | 17 | 150 |
| **2021** | 17 | 21 | 15 | 20 | 21 | 12 | 5 | 25 | 14 | 150 |
| **2020** | 24 | 21 | 16 | 21 | 13 | 14 | 6 | 17 | 18 | 150 |
| **2019** | 26 | 26 | 8 | 18 | 29 | 21 | 0 | 16 | 6 | 150 |
| **2018** | 23 | 23 | 15 | 12 | 25 | 22 | 6 | 18 | 6 | 150 |
| **2017** | 23 | 24 | 15 | 17 | 23 | 19 | 3 | 23 | 3 | 150 |
| **2016** | 21 | 19 | 12 | 21 | 30 | 17 | 4 | 19 | 7 | 150 |
| **2015** | 20 | 25 | 18 | 23 | 27 | 13 | 2 | 20 | 2 | 150 |
| **2014** | 30 | 13 | 18 | 19 | 14 | 11 | 6 | 32 | 7 | 150 |
| **2013** | 25 | 17 | 21 | 15 | 12 | 14 | 5 | 39 | 2 | 150 |
| **2012** | 24 | 21 | 26 | 20 | 21 | 14 | 3 | 21 | 0 | 150 |

## 2017 से 2023 तक प्रारंभिक परीक्षा में विभिन्न वर्गों के लिए 'कट-ऑफ'

| वर्ष (Year) | अनारक्षित (Unreserved) | आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्ग (EWS) | अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) | अनुसूचित जाति (SC) | अनुसूचित जनजाति (ST) | महिला (Female) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| **2023** | 125 | 129 | 128 | 112 | 109 | 124 |
| **2022** | 111 | 114 | 114 | 99 | 91 | 109 |
| **2021** | 115 | 117 | 113 | 96 | 82 | 110 |
| **2020** | 110 | 112 | 110 | 95 | 77 | 104 |
| **2019** | 117 | 117 | 116 | 99 | 77 | 109 |
| **2018** | 126 | N/A | 126 | 112 | 90 | 116 |
| **2017** | 128 | N/A | 128 | 117 | 98 | 121 |

## सामान्य अध्ययन (प्रश्नपत्र–II) CSAT

- कॉम्प्रिहेन्सन (विस्तारीकरण)
- तार्किक एवं विश्लेषणात्मक योग्यता।
- सामान्य बौद्धिक योग्यता।
- सामान्य अंग्रेजी हाईस्कूल स्तर तक।
- अन्तर्वैयक्तिक क्षमता जिसमें सम्प्रेषण कौशल भी समाहित होगा।
- निर्णय क्षमता एवं समस्या समाधान।
- प्रारम्भिक गणित हाईस्कूल स्तर तक– अंकगणित, बीजगणित, रेखागणित व सांख्यिकी।
- सामान्य हिन्दी हाईस्कूल स्तर तक।
- प्रारम्भिक गणित (हाईस्कूल स्तर तक) के पाठ्यक्रम में सम्मिलित किए जाने वाले विषय

### 1. अंकगणित

1. संख्या पद्धति : प्राकृतिक, पूर्णांक, परिमेय-अपरिमेय एवं वास्तविक संख्यायें, पूर्णांक संख्याओं के विभाजक एवं अविभाज्य पूर्णांक संख्यायें। पूर्णांक संख्याओं का लघुत्तम समापवर्त्य एवं महत्तम समापवर्त्य तथा उनमें सम्बन्ध।
2. औसत
3. अनुपात एवं समानुपात
4. प्रतिशत
5. लाभ-हानि
6. ब्याज- साधारण एवं चक्रवृद्धि
7. काम तथा समय
8. चाल, समय तथा दूरी

### 2. बीजगणित

1. बहुपद के गुणनखण्ड, बहुपदों का लघुत्तम समापवर्त्य एवं महत्तम समापवर्त्य एवं उनमें सम्बन्ध, शेषफल प्रमेय, सरल युगपत समीकरण, द्विघात समीकरण
2. समुच्चय सिद्धान्त: समुच्चय, उप समुच्चय, उचित उपसमुच्चय, रिक्त समुच्चय, समुच्चयों के बीच संक्रियायें (संघ, प्रतिछेद, अन्तर, सममित अन्तर), बेन-आरेख

### 3. रेखागणित

1. त्रिभुज, आयत, वर्ग, समलम्ब चतुर्भुज एवं वृत्त की रचना एवं उनके गुण सम्बन्धी प्रमेय तथा परिमाप एवं उनके क्षेत्रफल,
2. गोला, समकोणीय वृत्ताकार बेलन, समकोणीय वृत्ताकार शंकु तथा धन के आयतन एवं पृष्ठ क्षेत्रफल।

4. सांख्यिकी : आंकड़ों का संग्रह, आंकड़ों का वर्गीकरण, बारम्बारता, बारम्बारता बंटन, सारणीयन, संचयी बारम्बारता, आंकड़ों का निरूपण, दण्डचार्ट, पाई चार्ट, आयत चित्र, बारम्बारता बहुभुज, संचयी बारम्बारता वक्र, केन्द्रीय प्रवृत्ति की माप- समान्तर माध्य, माध्यिका एवं बहुलक।

### General English (Upto Class X Level)

1. Comprehension
2. Active Voice and Passive Voice
3. Parts of Speech
4. Transformation of Sentences
5. Direct and Indirect Speech
6. Punctuation and Spellings
7. Words meanings
8. Vocabulary & Usage
9. Idioms and Phrases
10. Fill in the Blanks

### 2012 से 2023 तक प्रारंभिक परीक्षा में CSAT के विभिन्न खंडों से पूछे गए प्रश्नों का ट्रेंड एनालिसिस

| वर्ष (Year) | कॉम्प्रिहेन्सन (हिंदी/अंग्रेज़ी) | सामान्य हिंदी | सामान्य अंग्रेज़ी | अंतर्वैयक्तिक क्षमता एवं संप्रेषण कौशल | तार्किक एवं विश्लेषणात्मक योग्यता | निर्णय क्षमता एवं समस्या समाधान | सामान्य बौद्धिक क्षमता | गणित | कुल |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2023 | 10 | 20 | 10 | 12 | 2 | 10 | 22 | 14 | 100 |
| 2022 | 10 | 15 | 7 | 14 | 4 | 9 | 20 | 21 | 100 |
| 2021 | 9 | 18 | 5 | 13 | 5 | 15 | 13 | 22 | 100 |
| 2020 | 10 | 15 | 10 | 13 | 10 | 9 | 17 | 16 | 100 |
| 2019 | 10 | 15 | 10 | 12 | 4 | 11 | 22 | 16 | 100 |
| 2018 | 10 | 15 | 10 | 14 | 11 | 6 | 17 | 17 | 100 |
| 2017 | 10 | 15 | 10 | 14 | 11 | 6 | 17 | 17 | 100 |
| 2016 | 10 | 15 | 10 | 13 | 14 | 9 | 14 | 15 | 100 |
| 2015 | 10 | 15 | 10 | 14 | 14 | 3 | 15 | 19 | 100 |
| 2014 | 9 | 12 | 21 | 16 | 9 | 8 | 13 | 12 | 100 |
| 2013 | 15 | 12 | 10 | 12 | 10 | 8 | 20 | 13 | 100 |
| 2012 | 15 | 12 | 9 | 12 | 8 | 3 | 11 | 30 | 100 |

## सामान्य हिन्दी (हाईस्कूल स्तर तक) के पाठ्यक्रम में सम्मिलित किए जाने वाले विषय

1. हिन्दी वर्णमाला, विराम चिन्ह
2. शब्द रचना, वाक्य रचना, अर्थ
3. शब्द-रूप
4. संधि, समास
5. क्रियायें
6. अनेकार्थी शब्द
7. विलोम शब्द
8. पर्यायवाची शब्द
9. मुहावरे एवं लोकोक्तियां
10. तत्सम एवं तद्भव, देशज, विदेशी (शब्द भंडार)
11. वर्तनी
12. अर्थबोध
13. हिन्दी भाषा के प्रयोग में होने वाली अशुद्धियाँ
14. उ.प्र. की मुख्य बोलियाँ

## मुख्य परीक्षा पाठ्यक्रम

### सामान्य हिंदी

1. दिए हुए गद्य खण्ड का अवबोध एवं प्रश्नोत्तर।
2. संक्षेपण।
3. सरकारी एवं अर्धसरकारी पत्र लेखन, तार लेखन, कार्यालय आदेश, अधिसूचना, परिपत्र।
4. शब्द ज्ञान एवं प्रयोग।
   (अ) उपसर्ग एवं प्रत्यय प्रयोग,
   (ब) विलोम शब्द,
   (स) वाक्यांश के लिए एकशब्द,
   (द) वर्तनी एवं वाक्य शुद्धि,
5. लोकोक्ति एवं मुहावरे।

### निबंध

निबन्ध हिन्दी, अंग्रेजी अथवा उर्दू में लिखे जा सकते हैं। निबन्ध के प्रश्न पत्र में 3 खण्ड होंगे। प्रत्येक खण्ड से एक-एक विषय पर 700 (सात सौ शब्दों में निबन्ध लिखना होगा। प्रत्येक खण्ड 50-50 अंकों का होगा। तीनों खण्डों में निम्नलिखित विषयों पर आधारित निबन्ध के प्रश्न होंगे।

**खण्ड (क)**

1. साहित्य और संस्कृति
2. सामाजिक क्षेत्र
3. राजनैतिक क्षेत्र

**खण्ड (ख)**

1. विज्ञान पर्यावरण और प्रौद्योगिकी
2. आर्थिक क्षेत्र
3. कृषि उद्योग एवं व्यापार

**खण्ड (ग)**

1. राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रम
2. प्राकृतिक आपदाएं भू-स्खलन भूकम्प, बाढ़, सूखा, आदि।
3. राष्ट्रीय विकास योजनाएं एवं परियोजनाएं

### सामान्य अध्ययन-I

1. भारतीय संस्कृति के इतिहास में प्राचीन काल से आधुनिक काल तक के कला-रूप, साहित्य एवं वास्तुकला के महत्वपूर्ण पहलू शामिल होंगे।
2. आधुनिक भारतीय इतिहास (1757 ई० से 1947 ई० तक) - महत्वपूर्ण घटनाएं, व्यक्तित्व एवं समस्याएं इत्यादि।
3. स्वतंत्रता संग्राम इसके विभिन्न चरण और देश के विभिन्न भागों से इसमें अपना योगदान देने वाले महत्वपूर्ण व्यक्ति/उनका योगदान।
4. स्वतंत्रता के पश्चात् देश के अंदर एकीकरण और पुनर्गठन (1965 ई० तक)
5. विश्व के इतिहास में 18 वीं सदी से बीसवीं सदी के मध्य तक की घटनाएं जैसे फ्रांसीसी क्रान्ति 1789, औद्योगिक क्रांति, विश्व युद्ध, राष्ट्रीय सीमाओं का पुनः सीमांकन, उपनिवेशवाद, उपनिवेशवाद की समाप्ति, राजनीतिक दर्शन शास्त्र जैसे साम्यवाद, पूँजीवाद, समाजवाद, नाजीवाद, फासीवाद इत्यादि के रूप और समाज पर उनके प्रभाव इत्यादि शामिल होंगे।
6. भारतीय समाज और संस्कृति की मुख्य विशेषताएं।
7. महिला- समाज और महिला-संगठनों की भूमिका, जनसंख्या तथा सम्बद्ध समस्याएं, गरीबी और विकासात्मक विषय, शहरीकरण, उनकी समस्याएं और समाधान।
8. उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण का अभिप्राय और उनका भारतीय समाज के अर्थ व्यवस्था, राज्य व्यवस्था और समाज संरचना पर प्रभाव।
9. सामाजिक सशक्तीकरण, साम्प्रदायिकता, क्षेत्रवाद और धर्मनिरपेक्षता।
10. विश्व के प्रमुख प्राकृतिक संसाधनों का वितरण- जल, मिट्टियाँ एवं वन, दक्षिण एवं दक्षिण पूर्व एशिया में (भारत के विशेष संदर्भ में)।
11. भौतिक भूगोल की प्रमुख विशिष्टताएं- भूकंप, सुनामी, ज्वालामुखी क्रियाएँ, चक्रवात, समुद्री जल धाराएं, पवन एवं हिम सरिताएं।
12. भारत के सामुद्रिक संसाधन एवं उनकी संभाव्यता।
13. मानव प्रवास- विश्व की शरणार्थी समस्या- भारत उपमहाद्वीप के संदर्भ में।
14. सीमान्त तथा सीमाएँ- भारत उप-महाद्वीप के संदर्भ में।
15. जनसंख्या एवं अधिवास- प्रकार एवं प्रतिरूप, नगरीकरण, स्मार्ट नगर एवं स्मार्ट ग्राम।

### सामान्य अध्ययन-II

1. भारतीय संविधान- ऐतिहासिक आधार, विकास, विशेषताएं संशोधन, महत्वपूर्ण प्रावधान तथा आधारभूत संरचना। संविधान के आधारभूत प्रावधानों के विकास में उच्चतम न्यायालय की भूमिका।
2. संघ एवं राज्यों के कार्य तथा उत्तरदायित्व, संघीय ढांचे से संबंधित विषय एवं चुनौतियां, स्थानीय स्तर पर शक्तियों और वित्त का हस्तांतरण और उसकी चुनौतियां।
3. केन्द्र-राज्य वित्तीय सम्बन्धों में वित्त आयोग की भूमिका।
4. शक्तियों का पृथक्करण, विवाद निवारण तंत्र तथा संस्थाएं, वैकल्पिक विवाद निवारण तंत्रो का उदय एवं उनका प्रयोग।

5. भारतीय संवैधानिक योजना की अन्य प्रमुख लोकतांत्रिक देशों के साथ तुलना।
6. संसद और राज्य विधायिका- संरचना, कार्य, कार्य-संचालन, शक्तियाँ एवं विशेषाधिकार तथा संबंधित विषय।
7. कार्यपालिका और न्यायपालिका की संरचना, संगठन और कार्य- सरकार के मंत्रालय एवं विभाग, प्रभावक समूह और औपचारिक/अनौपचारिक संघ तथा शासन प्रणाली में उनकी भूमिका। जनहित याचिका (पी.आई.एल.)।
8. जन प्रतिनिधित्व अधिनियम की मुख्य विशेषताएं।
9. विभिन्न संवैधानिक पदों पर नियुक्ति, शक्तियाँ, कार्य तथा उनके उत्तरदायित्व।
10. सांविधिक, विनियामक और विभिन्न अर्ध-न्यायिक निकाय, नीति आयोग समेत- उनकी विशेषताएं एवं कार्यभाग।
11. सरकारी नीतियों और विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिए हस्तक्षेप, उनके अभिकल्पन तथा कार्यान्वयन के मुद्दे एवं सूचना संचार प्रौद्योगिकी (आई.सी.टी.)।
12. विकास प्रक्रियाएं- गैर सरकारी संगठनों की भूमिका, स्वयं सहायता समूह, विभिन्न समूह एवं संघ, अभिदाता, सहायतार्थ संस्थाएं, संस्थागत एवं अन्य अंशधारक।
13. केन्द्र एवं राज्यों द्वारा जनसंख्या के अति संवेदनशील वर्गों के लिए कल्याणकारी योजनाएं और इन योजनाओं का कार्य-निष्पादन इन अति संवेदनशील वर्गों की रक्षा एवं बेहतरी के लिए गठित तंत्र, विधि, संस्थान एवं निकाय।
14. स्वास्थ्य, शिक्षा, मानव संसाधनों से संबंधित सामाजिक क्षेत्र/सेवाओं के विकास एवं प्रबंधन से संबंधित विषय।
15. गरीबी और भूख से संबंधित विषय एवं राजनैतिक व्यवस्था के लिए इनका निहितार्थ।
16. शासन व्यवस्था, पारदर्शिता और जवाबदेही के महत्वपूर्ण पक्ष, ई-गवर्नेंस- अनुप्रयोग, मॉडल, सफलताएं, सीमाएं और संभावनाएं, नागरिक चार्टर, पारदर्शिता एवं जवाबदेही और संस्थागत व अन्य उपाय।
17. लोकतंत्र में उभरती हुई प्रवृत्तियों के संदर्भ में सिविल सेवाओं की भूमिका।
18. भारत एवं अपने पड़ोसी देशों से उसके संबंध।
19. द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक समूह और भारत से संबंधित और/अथवा भारत के हितों को प्रभावित करने वाले करार।
20. भारत के हितों एवं अप्रवासी भारतीयों पर विकसित तथा विकासशील देशों की नीतियों तथा राजनीति का प्रभाव।
21. महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय संस्थान, संस्थाएं और मंच- उनकी संरचना, अधिदेश तथा उनका कार्य भाग।
22. क्षेत्रीय, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय महत्व के समसामयिक घटनाक्रम।

## सामान्य अध्ययन-III

1. भारत में आर्थिक नियोजन, उद्देश्य एवं उपलब्धियाँ, नीति (एन.आई.टी.आई.) आयोग की भूमिका, सतत विकास के लक्ष्य (एस.डी.जी.)।
2. गरीबी के मुद्दे, बेरोजगारी, सामाजिक न्याय एवं समावेशी विकास।
3. सरकार के बजट के अवयव तथा वित्तीय प्रणाली।
4. प्रमुख फसलें, विभिन्न प्रकार की सिंचाई विधि एवं सिंचाई प्रणाली, कृषि उत्पाद का भंडारण, ढुलाई एवं विपणन, किसानों की सहायता हेतु ई-तकनीकी।
5. अप्रत्यक्ष एवं प्रत्यक्ष कृषि अनुदान तथा न्यूनतम समर्थन मूल्य से जुड़े मुद्दे, सार्वजनिक वितरण प्रणाली- उद्देश्य, क्रियान्वयन परिसीमाएं, सुदृढ़ीकरण खाद्य सुरक्षा एवं बफर भण्डार, कृषि में तकनीकी अभियान।
6. भारत में खाद्य प्रसंस्करण व संबंधित उद्योग- कार्यक्षेत्र एवं महत्व, स्थान निर्धारण, उर्ध्व व अधोप्रवाह आवश्यकताएं, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन।
7. भारत में स्वतंत्रता के पश्चात् भूमि सुधार।
8. भारत में वैश्वीकरण तथा उदारीकरण के प्रभाव, औद्योगिक नीति में परिवर्तन तथा इनके औद्योगिक विकास पर प्रभाव।
9. आधारभूत संरचना : ऊर्जा, बंदरगाह, सड़क, विमानपत्तन तथा रेलवे आदि।
10. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी- विकास एवं राष्ट्रीय सुरक्षा में, भारत की विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी नीति का दैनिक जीवन में अनुप्रयोग।
11. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में भारतीयों की उपलब्धियां, प्रौद्योगिकी का स्वदेशीकरण। नवीन प्रौद्योगिकियों का विकास, प्रौद्योगिकी का हस्तान्तरण, द्विअनुप्रयोगी एवं तकनीकि उपयोगी प्रौद्योगिकियाँ।
12. सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, कंम्प्यूटर, ऊर्जा स्त्रोतों, नैनो प्रौद्योगिकी, सूक्ष्म जीव विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र में जागरूकता। बौद्धिक सम्पदा अधिकारों एवं डिजिटल अधिकारों से सम्बन्धित मुद्दे।
13. पर्यावरणीय सुरक्षा एवं पारिस्थितिकी तंत्र, वन्य जीवन संरक्षण, जैव विविधता, पर्यावरणीय प्रदूषण एवं क्षरण, पर्यावरणीय संघात आंकलन।
14. आपदा : गैर-पारम्परिक सुरक्षा एवं संरक्षा की चुनौती के रूप में, आपदा शमन एवं प्रबन्धन।
15. अन्तर्राष्ट्रीय सुरक्षा की चुनौतियाँ : आणुविक प्रसार के मुद्दे, अतिवाद के कारण तथा प्रसार, संचार तन्त्र, मीडिया की भूमिका तथा सामाजिक नेटवर्किंग, साइबर सुरक्षा के आधार, मनी लाउन्डरिंग तथा मानव तस्करी।
16. भारत की आन्तरिक सुरक्षा की चुनौतियां : आतंकवाद, भ्रष्टाचार, बगावत तथा संगठित अपराध।
17. सुरक्षा बलों की भूमिका, प्रकार तथा शासनाधिकार, भारत का उच्च रक्षा संगठन।
18. कृषि, बागवानी, वानिकी एवं पशुपालन के मुद्दे।

## सामान्य अध्ययन-IV

1. **नीतिशास्त्र तथा मानवीय अन्त :** सम्बन्ध, मानवीय क्रियाकलापों में नीतिशास्त्र का सारतत्व, इसके निर्धारक और परिणाम : नीतिशास्त्र के आयाम, निजी और सार्वजनिक संबंधों में नीतिशास्त्र।
   मानवीय मूल्य- महान नेताओं, सुधारकों और प्रशासकों के जीवन तथा उनके उपदेशों से शिक्षा, मूल्य विकसित करने में परिवार, समाज और शैक्षणिक संस्थाओं की भूमिका।
2. **अभिवृत्ति :** अंर्तवस्तु (कंटेन्ट), संरचना, कार्य, विचार तथा आचरण के परिप्रेक्ष्य में इसका प्रभाव एवं संबंध, नैतिक और राजनीतिक अभिरूचि, सामाजिक प्रभाव और सहमति पैदा करना।
3. सिविल सेवा के लिए अभिरूचि तथा बुनियादी मूल्य, सत्यनिष्ठा, निष्पक्षता तथा गैर-तरफदारी, वस्तुनिष्ठता, सार्वजनिक सेवा के प्रति समर्पण भाव, कमजोर वर्गों के प्रति सहानुभूति, सहिष्णुता तथा करूणा।

4. **संवेगात्मक बुद्धि :** अवधारणाएं तथा आयाम, प्रशासन और शासन व्यवस्था में उनकी उपयोगिता और प्रयोग।
5. भारत तथा विश्व के नैतिक विचारकों तथा दार्शनिकों का योगदान।
6. **लोक प्रशासनों में लोक/सिविल सेवा मूल्य तथा नीतिशास्त्र :** स्थिति तथा समस्याएं, सरकारी तथा निजी संस्थानों में नैतिक सरोकार तथा दुविधाएं, नैतिक मार्गदर्शन के स्त्रोतों के रूप में विधि, नियम, नियमन तथा अंतर्रात्मा, जवाबदेही तथा नैतिक शासन व्यवस्था में नैतिक मूल्यों का सुदृढ़ीकरण, अंतर्राष्ट्रीय संबंधों तथा निधि व्यवस्था (फंडिग) में नैतिक मुद्दे, कारपोरेट शासन व्यवस्था।
7. **शासन व्यवस्था में ईमानदारी :** लोक सेवा की अवधारणा, शासन व्यवस्था और ईमानदारी का दार्शनिक आधार, सरकार में सूचना का आदान-प्रदान और पारदर्शिता, सूचना का अधिकार, नीतिपरक आचार संहिता, आचरण संहिता, नागरिक घोषणा पत्र, कार्य संस्कृति, सेवा प्रदान करने की गुणवत्ता, लोक-निधि का उपयोग, भ्रष्टाचार की चुनौतियां।
8. उपर्युक्त विषयों पर मामला संबंधी अध्ययन (केस स्टडी)।

## सामान्य अध्ययन-V

1. उ.प्र. का इतिहास, सभ्यता, संस्कृति एवं प्राचीन नगर।
2. उ.प्र. की वास्तुकला, उसकी महत्ता एवं रख-रखाव, संग्रहालय, अभिलेखागार एवं पुरातत्व।
3. भारत के स्वतन्त्रता संग्राम में 1857 से पहले एवं बाद में उ.प्र. का योगदान।
4. उ.प्र. के सुविख्यात स्वतन्त्रता सेनानी एवं व्यक्तित्व।
5. उ.प्र. में ग्रामीण, शहरी एवं जनजातीय मुद्दे: सामाजिक संरचना, त्योहार, मेले, संगीत, लोकनृत्य, भाषा एवं साहित्य/बोली, सामाजिक प्रथाएं एवं पर्यटन।
6. उ.प्र. की राजव्यवस्था - शासन प्रणाली, राज्यपाल, मुख्यमंत्री, मंत्रिपरिषद, विधान सभा एवं विधान परिषद, केन्द्र-राज्य संबंध।
7. उ.प्र. में लोक सेवाएँ, लोक सेवा आयोग, लेखा परीक्षा, महाधिवक्ता, उच्च न्यायालय एवं उसका अधिकार क्षेत्र।
8. उ.प्र.-विशेष राज्य चयन मानदण्ड, राजभाषा, संचित निधि एवं आकस्मिक निधि, राजनीतिक दल एवं राज्य निर्वाचन आयोग।
9. उ.प्र. में स्थानीय स्वशासन : शहरी एवं पंचायती राज, लोकनीति, अधिकार सम्बन्धी मुद्दे।
10. उ.प्र.-सुशासन, भ्रष्टाचार निवारण, लोकायुक्त, सिटीजन चार्टर, ई-गवर्नेस, सूचना का अधिकार, समाधान योजना।
11. उ.प्र. में भूमि सुधार एवं इसका प्रभाव।
12. उ.प्र. में सुरक्षा से जुड़े मुद्दे:-
    (i) उग्रवाद के प्रसार एवं विकास के बीच सम्बध।
    (ii) बाह्य, राज्य एवं अन्तर राज्यीय सक्रियकों से आन्तरिक सुरक्षा के लिए चुनौतियाँ पैदा करने में संचार नेटवर्कों, मीडिया एवं सोशल नेटवर्किंग साइट्स की भूमिका।
    (iii) साइबर सुरक्षा के बुनियादी नियम, कालेधन को वैध बनाना एवं इसकी रोकथाम।
    (iv) विभिन्न सुरक्षा बल एवं एजेंसियाँ और उनके शासनादेश/अधिकार-पत्र।
    (v) सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा चुनौतियाँ एवं उनका प्रबन्धन, संगठित अपराधों का आंतकवाद से संबंध।
13. उ.प्र. में कानून व्यवस्था एवं नागरिक अधिकार सुरक्षा।
14. उ.प्र. में स्वास्थ्य एवं चिकित्सीय मुद्दे।
15. उ.प्र. में शिक्षा प्रणाली।
16. भारत के विकास में उ.प्र. की भूमिका।
17. उ.प्र. की समसामयिक घटनाएं।
18. जल शक्ति मिशन एवं अन्य केन्द्रीय योजनायें एवं उनका क्रियान्वयन।
19. उ.प्र. में गैर सरकारी संगठन (एन.जी.ओ.): मुद्दे, योगदान एवं प्रभाव।
20. उ.प्र. में पर्यटन : मुद्दे एवं सम्भावनायें।
21. उ.प्र. में विभिन्न क्षेत्रों में नवाचार : इसके मुद्दे एवं इसका समाज में रोजगार एवं सामाजिक-आर्थिक विकास पर प्रभाव।

## सामान्य अध्ययन-VI

1. उ.प्र. का आर्थिक परिदृश्य : अर्थव्यवस्था एवं राज्य बजट की मुख्य विशेषताएं, बुनियादी ढाँचा एवं भौतिक संसाधनों का महत्त्व।
2. उ.प्र. का व्यापार, वाणिज्य एवं उद्योग।
3. उ.प्र. सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाएँ, परियोजनाएँ एवं नियोजित विकास, मानव संसाधन एवं कौशल विकास।
4. उ.प्र. में निवेश : मुद्दे एवं प्रभाव।
5. उ.प्र. की लोक वित्त एवं राजकोषीय नीति, कर एवं आर्थिक सुधार, एक ज़िला एक उत्पाद नीति।
6. उ.प्र. में नवीकरणीय ऊर्जा एवं गैर-नवीकरणीय ऊर्जा संसाधनों की योजना एवं प्रबंधन।
7. उ.प्र. की जनांकिकी, जनसंख्या एवं जनगणना।
8. उ.प्र. में कृषि का व्यावसायीकरण एवं कृषि फसलों का उत्पादन।
9. उ.प्र. की नवीन वानिकी नीति।
10. उ.प्र. की कृषि एवं सामाजिक वानिकी।
11. उ.प्र. में कृषि विविधता, कृषि की समस्याएँ एवं उनका समाधान।
12. उ.प्र. के विभिन्न क्षेत्रों में विकासीय सूचकांक।
13. उ.प्र. का भूगोल - भौगोलिक स्थिति, उच्चावच एवं संरचना, जलवायु, सिंचाई, खनिज, अपवाह प्रणाली एवं वनस्पति।
14. उ.प्र. में राष्ट्रीय उद्यान एवं वन्यजीव अभ्यारण्य।
15. उ.प्र. में परिवहन तंत्र।
16. उ.प्र. में औद्योगिक विकास, शक्ति संसाधन एवं अधोसंरचना।
17. उ.प्र. में प्रदूषण एवं पर्यावरण के मुद्दे, प्रदूषण नियंत्रण परिषद एवं इनके कार्य।
18. उ.प्र. के प्राकृतिक संसाधन मृदा, जल, वायु, वन, घास-मैदान, आर्द्रभूमि।
19. उ.प्र. के जलवायु परिवर्तन एवं मौसम पूर्वानुमान से सम्बन्धित मुद्दे।
20. उ.प्र. के सन्दर्भ में अधिवास पारिस्थितिकी तंत्र - संरचना एवं कार्य, समायोजन, जीव-जन्तु एवं वनस्पतियां।
21. उ.प्र. में विज्ञान एवं तकनीक के मुद्दे, प्रसार एवं प्रयत्न।
22. उ.प्र. में मत्स्य, अंगूर, रेशम, फूल, बागवानी एवं पौध उत्पादन तथा उ.प्र. के विकास में इनका प्रभाव।
23. उ.प्र. के विकास में सार्वजनिक एवं निजी साझेदारी को प्रोत्साहित करना।

❑❑❑

संस्कृति IAS

# UPSC 2022–23

## सभी सफल उम्मीदवारों को संस्कृति IAS की तरफ से ढेरों बधाइयाँ

### कृतिका मिश्रा

**UPSC CSE (AIR-66)**

**हिंदी माध्यम से प्रथम रैंक**

सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के लिए मैंने दिल्ली जाकर कुछ वरिष्ठ शिक्षकों से मार्गदर्शन लिया जिनमें संस्कृति IAS संस्थान से जुड़े शिक्षक मेरी पूरी तैयारी के दौरान बहुत सहायक सिद्ध हुए।

मैं लम्बे समय तक दिल्ली में रहकर तैयारी करने में असमर्थ थी और मेरी यह विवशता मैंने अध्यापकगण को बताई। ऐसे में मुझे अपनी तैयारी में संस्कृति IAS के अध्यापकों अखिल मूर्ति सर, रितेश जयसवाल सर, राजेश मिश्रा सर एवं ए.के. अरुण सर का व्यक्तिगत मार्गदर्शन मिला। मुझे जब भी किसी टॉपिक को समझने या उत्तर लेखन के विषय में कोई समस्या हुई, मैंने विषय से सम्बन्धित सर को सीधे व्हाट्सएप के माध्यम से संपर्क किया और उन्होंने मेरा भरपूर सहयोग किया। तैयारी के दौरान संस्कृति IAS के जी.एस. नोट्स एवं टेस्ट सीरीज़ तथा मेन्स ऑनलाइन क्रैश कोर्स से भी बहुत मदद मिली।

संस्कृति IAS संस्थान की सबसे सकारात्मक बात यह है कि एडमीशन लेने के बाद एक महीने तक क्लास करके भी अगर कोई स्टूडेंट क्लास से संतुष्ट नहीं है तो संस्थान फीस में बिना कटौती किए पूरी फीस वापस कर देता है।

मैं अपनी सफलता में संस्कृति IAS और इसकी शिक्षक टीम का हृदय से आभार व्यक्त करती हूँ।

कृतिका मिश्रा

कृतिका मिश्रा

AIR 66

UPSC CSE 2022

### भरत जय प्रकाश मीणा

**UPSC CSE (AIR-85)**

**हिंदी माध्यम से द्वितीय रैंक**

मैं भरत जय प्रकाश मीना दृष्टि I.A.S. के फाउंडेशन-30 का विद्यार्थी रहा हूँ जहाँ मैंने अखिल मूर्ति सर, रितेश जायसवाल सर, राजेश मिश्रा सर, कुमार गौरव सर एवं ए.के. अरुण सर की कक्षाएँ ली थी। मेरी लगभग 600 कक्षाओं में उपरोक्त गुरुओं की कक्षाओं की संख्या 500 से अधिक रही होगी। मेरी वर्तमान सफलता में उन सभी गुरुओं का भरपूर योगदान रहा है, मैं दृष्टि I.A.S. का भी आभारी हूँ, जिन्होंने मुझे एक अच्छी लाइब्रेरी का दो वर्ष तक उपयोग करने का अवसर दिया। मेरे उपरोक्त सभी गुरुजन वर्तमान में संस्कृति I.A.S. के नाम से अपना स्वतंत्र संस्थान चला रहे हैं, जहाँ 4000 से अधिक विद्यार्थी वर्तमान में कक्षाएँ कर रहे हैं। मुझे पूरी उम्मीद है कि मेरी सफलता में नींव निर्माण का जो कार्य संस्कृति I.A.S. के इन शिक्षकों ने किया था, वहीं कार्य भविष्य के अन्य विद्यार्थियों के लिये किया जायेगा।

आपका आज्ञाकारी शिष्य

भरत जय प्रकाश मीना

UPSC CSE 2022

AIR-85

Sign: Bharat Jai prakash

24/05/2023

| | |
|---|---|
| Ayan Jain | (Rank-16) |
| Anirudha Pandey | (Rank-64) |
| Kritaika Mishra | (Rank-66) |
| Bharat Jai Prakash Meena | (Rank-85) |
| Ankit | (Rank-99) |
| Vinod Kumar Meena | (Rank-135) |
| Pawan Kumar | (Rank-239) |
| Manisha Dharve | (Rank-257) |
| Ajay Yadav | (Rank-276) |
| Moin Ahmad | (Rank-296) |
| Manil Bejotra | (Rank-314) |
| Divyanshu Tiwari | (Rank-368) |
| Narayan Upadhyay | (Rank-378) |
| Capril Arora | (Rank-397) |
| Shaloo | (Rank-453) |
| Shubham Singh Thakur | (Rank-466) |
| Prince Babu Mishra | (Rank-505) |
| Manisha | (Rank-522) |
| Shivam Agarwal | (Rank-541) |
| Akash Sinha | (Rank-553) |
| Rishi Raj Rai | (Rank-636) |
| Md Shahansha Siddique | (Rank-762) |
| Alka Tripathi | (Rank-657) |
| Ram Bhajan Kumar | (Rank-668) |
| Vikas Kumar Meena | (Rank-672) |
| Pritesh Singh Rajput | (Rank-697) |
| Utkarsh Gaurav | (Rank-709) |
| Neeraj Dhakad | (Rank-747) |
| Pankaj Rajput | (Rank-751) |
| Amit Kumar Yadav | (Rank-756) |
| Vinod Kumar Meena | (Rank-798) |
| Pavan Kumar | (Rank-816) |
| Bharat Bhushan | (Rank-863) |
| Payal Gwalwanshi | (Rank-913) |
| Ramnaresh Meena | (Rank-933) |
| Praduman Kumar | (Rank-941) |
| Karmveer Narwadia | (Rank-954) |
| Sachin Kumar | (Rank-962) |
| Mithlesh K. Meena | (Rank-962) |
| Himanshu | (Rank-964) |
| Neeraj Songara | (Rank-964) |

+अन्य


प्रयागराज केंद्र : महाराणा प्रताप चौराहा, स्टैनली रोड, सिविल लाइन्स, प्रयागराज, उ.प्र.

9151-013-397

हेड ऑफिस: 636, भू-तल, डॉ. मुखर्जी नगर, दिल्ली-110009

9555-124-124

SANSKRITIIAS.COM

संस्कृति IAS

# UPPCS 2022

## सभी सफल उम्मीदवारों को संस्कृति IAS की तरफ से ढेरों बधाइयाँ

**Akansha Gupta**
SDM (R-4)

**Saltanat Praveen**
SDM (R-6)

**Nidhi Patel**
SDM (R-15)

**Yogita Singh**
SDM (R-18)

**Chandan Singh Yadav**
SDM (R-28)

**Chandra Prakash Guatam**
SDM (R-36)

**Manjul Mayank**
SDM (R-37)

**Ashutosh Kumar**
DSP (R-6)

**Ishika Singh**
DSP (R-12)

**Nikita Srivastava**
DSP (R-15)

**Anand Kumar Shukla**
DSP (R-17)

**Awadhbhan Singh Bhadauriya**
DSP (R-19)

**Akanksha Pandey**
DSP (R-24)

**Shashank Shekhar Tripathi**
DSP (R-26)

**Bhupesh Pandey**
DSP (R-27)

**Anirudha Pandey**
DSP (R-28)

**Nitish Kr. Tiwari**
DSP (R-47)

**Praveen Kr. Yadav**
DSP (R-50)

**Ajay Yadav**
DSP (R-51)

**Shahrukh Khan**
DSP (R-59)

**Vivek Kr. Tiwari**
DSP (R-60)

**Antariksh Kumar**
DSP (R-63)

**Krishna Kant Yadav**
DSP (R-83)

**Raj Sonkar**
DSP (R-85)

**Arvind Sonkar**
DSP (R-86)

**Jeetandar Kumar**
DSP (R-87)

**Anupam Awasthi**
Sr.Lect. (R-7)

**Sapna Varshney**
Sr.Lect. (R-9)

**Rakesh Kumar**
Sr.Lect. (R-11)

**Resham**
Sr.Lect. (R-15)

**Prasenjit Singh**
Sr.Lect. (R-17)

**Hem Kant Tripathi**
NT (R-3)

**Anushri Tripathi**
NT (R-4)

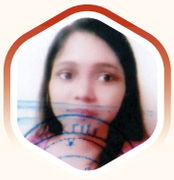

**Reshu Jain**
NT (R-8)

**Shivam Chandra**
NT (R-22)

**Lokesh Kumar**
NT (R-25)

**Ranvijay Singh**
NT (R-28)

**Pradeep Kumar Yadav**
NT (R-30)

**Vikas Kumar Yadav**
NT (R-32)

**Satendra Singh**
NT (R-43)



**Vijay Kumar**
NT (R-46)



**Gaurav Pratap Singh**
NT (R-52)

संस्कृति IAS

# UPPCS 2023

## सभी सफल उम्मीदवारों को संस्कृति IAS की तरफ से ढेरों बधाइयाँ

**Prem Shankar Pandey**
SDM (R-2)

**Pawan Kr. Singh**
SDM (R-6)

**Madhav Upadhyay**
SDM (R-10)

**Anjani Yadav**
SDM (R-12)

**Harshita Devda**
SDM (R-17)

**Vimal Kumar**
SDM (R-18)

**Nitish Raj**
SDM (R-22)

**Ravikant Chaubey**
SDM (R-26)

**Saurabh Kr. Gupta**
SDM (R-28)

**Vineet Kumar**
SDM (R-32)

**Devendra Kumar**
SDM (R-38)

**Nidhi**
SDM (R-39)

**Apoorv Pandey**
DSP (R-2)

**Vini Singh**
DSP (R-6)

**Narayan D. Mishra**
DSP (R-9)

**Mayank Mishra**
DSP (R-10)

**Ekta Kesarvani**
DSP (R-13)

**Gaurav Upadhyay**
DSP (R-15)

**Ritik Kapoor**
DSP (R-16)

**Hare Krishna Sharma**
DSP (R-17)

**Piyush Kr. Pandey**
DSP (R-19)

**Gayatri Yadav**
DSP (R-22)

**Jayant Yadav**
DSP (R-25)

**Rohini Yadav**
DSP (R-26)

**Prabha Patel**
DSP (R-27)

**Sani Pandey**
DSP (R-29)

**Abhishek Kumar**
DSP (R-32)

**Shubham Verma**
DSP (R-36)

**Deshraj Singh**
DSP (R-39)

**Shivam Dwivedi**
Sub. Reg. (R-5)

**Mahima Mishra**
Sub. Reg. (R-8)

**Anil Kumar Yadav**
Sub. Reg. (R-9)

**Mukesh Tripathi**
Sub. Reg. (R-13)

**Vivek Kumar**
Sub. Reg. (R-19)

**Aditya Yadav**
Dy. Jailor (R-1)

**Kundan Singh**
Dy. Jailor (R-2)

**Gyan Prakash Pal**
Dy. Jailor (R-4)

**Santosh Dwivedi**
Dy. Jailor (R-12)

**Simran Soni**
Dy. Jailor (R-14)

**Rajeev Pachauri**
Dy. Jailor (R-19)



**Anupam Mishra**
Dy. Jailor (R-22)



**Kumar Viplav**
Dy. Jailor (R-26)



**Neeraj Kr. Dubey**
Dy. Jailor (R-29)



**Amit Kr. Dubey**
Dy. Jailor (R-38)



**Swati Yadav**
Dy. Jailor (R-42)



**Rakesh Chauhan**
Dy. Jailor (R-46)



**Mohit Kumar**
Dy. Jailor (R-47)



**Basant Kumar**
Dy. Jailor (R-51)

+अन्य

संस्कृति IAS

# जहाँ एक नहीं, हर शिक्षक है श्रेष्ठ

देश में हिंदी माध्यम से
सामान्य अध्ययन की सर्वश्रेष्ठ टीम

**श्री अखिल मूर्ति**
इतिहास,
कला एवं संस्कृति

**श्री अमित कुमार सिंह**
(IGNITED MINDS)
एथिक्स

**श्री ए.के. अरुण**
भारतीय
अर्थव्यवस्था

**श्री सीबीपी श्रीवास्तव**
(DISCOVERY IAS)
भारतीय राजव्यवस्था
एवं गवर्नेन्स

**श्री कुमार गौरव**
भूगोल, पर्यावरण,
आपदा प्रबंधन

**श्री राजेश मिश्रा**
अंतर्राष्ट्रीय
संबंध

**श्री रीतेश आर जायसवाल**
विज्ञान एवं
प्रौद्योगिकी

# सामान्य अध्ययन

## फाउंडेशन कोर्स (प्रिलिम्स + मेन्स)

**हाइब्रिड कोर्स**
ऑफलाइन + ऑनलाइन

दिल्ली एवं प्रयागराज

### हाइब्रिड कोर्स की विशेषताएँ

- ऑफलाइन एवं ऑनलाइन दोनों मोड में क्लास करने की सुविधा
- बैच शुरू होने से 3 वर्षों तक ऑनलाइन मोड में असीमित बार क्लास देखने की सुविधा
- नियमित क्लास टेस्ट : प्रारंभिक एवं मुख्य परीक्षा
- संस्कृति IAS की मासिक करेंट अफेयर्स मैगज़ीन
- प्रत्येक विषय/खंड के अपडेटेड प्रिंटेड क्लासनोट्स

## इतिहास
वैकल्पिक विषय

द्वारा- श्री अखिल मूर्ति

### वैकल्पिक विषय कार्यक्रम विशेषताएँ

- इतिहास और भूगोल में मानचित्र द्वारा अध्ययन के लिए वैज्ञानिक प्रविधि का प्रयोग
- क्लास के तुरंत बाद प्रत्येक विद्यार्थी की विषय संबंधी शंकाओं का निवारण
- प्रत्येक विद्यार्थी की पर्सनल मेंटरिंग व टेस्ट का मूल्यांकन फैकल्टी द्वारा
- मुख्य परीक्षा में पूछे गए विगत 25 वर्षों के प्रश्नों का उत्तर लेखन अभ्यास

## भूगोल
वैकल्पिक विषय

द्वारा- श्री कुमार गौरव

## उपलब्ध ऑफलाइन/लाइव कोर्स

**सामान्य अध्ययन**
फाउंडेशन कोर्स (प्रिलिम्स + मेन्स)

**सीसैट**
लगभग 120+ घंटों की कक्षाएँ

**UPSC/UPPCS**
टेस्ट सीरीज़ (प्रिलिम्स + मेन्स)

**NCERT**
450 से अधिक घंटों की कक्षाएँ

**इतिहास**
द्वारा - श्री अखिल मूर्ति

**दर्शनशास्त्र**
द्वारा - श्री अमित कुमार सिंह
(IGNITED MINDS)

**भूगोल**
द्वारा - श्री कुमार गौरव

**राजनीति विज्ञान**
द्वारा - श्री राजेश मिश्रा

**PCS COURSES**

- UPPCS फाउंडेशन कोर्स
- BPSC फाउंडेशन कोर्स
- MPPCS फाउंडेशन कोर्स
- RAS फाउंडेशन कोर्स
- UP-RO/ARO


प्रयागराज केंद्र : महाराण प्रताप चौराहा,
स्टैनली रोड, सिविल लाइन्स, प्रयागराज, उ.प्र.
9151-013-397

हेड ऑफिस: 636, भू-तल,
डॉ. मुखर्जी नगर, दिल्ली-110009
9555-124-124

SANSKRITIIAS.COM